RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जितना अधिक आप जानेंगे, आपके डरने की संभावना उतनी ही कम होगी।

सावित्रीबाई फुले

वर्ष-06, अंक - 28 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 04 अप्रेल 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

रात तक राहुल गांधी के ट्वीट करने वाले विजेंदर सिंह सुबह होते ही भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली।

ओलंपियन मुक्केबाज व कांग्रेस नेता विजेंदर सिंह बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। भगवा पार्टी में शामिल होने से कुछ घड़ी पहले तक विजेंदर सिंह कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के ट्वीट को रीट्वीट कर रहे थे। हालांकि, अचानक भाजपा में शामिल होने की वजह को लेकर विजेंदर ने कुछ खुलासा नहीं किया है। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता और दक्षिण दिल्ली से पार्टी के उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में विजेंदर सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा थी कि, कांग्रेस उन्हें मथुरा से अभिनेत्री और मौजूदा सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ मैदान में उतार सकती है। इन चर्चाओं को हवा खुद मुक्केबाद ने दी थीं। दरअसल दो दिन पहले विजेंदर ने 'जाट समाज' नाम के एक ट्विटर हैंडल का ट्वीट रीट्वीट किया था। इसमें लिखा है, ब्रज कभी बेहतरीन पहलवानों खिलाड़ियों का गढ़ हुआ करता था। अब कुछेक पहलवान ही दिखाई देते है। मथुरा से ओलंपिक

मेडलिस्ट बॉक्सर विजेंदर सिंह लोक सभा चुनाव लडेंगे। मुझे लगता है अभिनेत्री को लगातार संसद में भेजकर मथुरा के लोगो का कोई भला नहीं हुआ हैं। लेकिन अगर भाई विजेंद्र सिंह को चुना गया तो ब्रज के युवाओं के लिए शारीरिक और आर्थिक क्षेत्र बेहतर हो जाएंगे।

इसके अलावा, भाजपा में शामिल होने से ठीक एक दिन पहले विजेंदर सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसने वाले ट्वीट को रीट्वीट किया था। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, आज एक युवा ने मुझे ये वीडियो भेजा! अब भ्रम और भय का जाल तोड़ कर सच्चाई सामने आ रही है। अबकी बार 'प्रोपेगैंडा के पापा' की दाल नहीं गलने वाली, जनता खुद उन्हें आईना दिखाने को तैयार बैठी है। विजेंदर ने इसे मंगलवार शाम ही रीट्वीट किया था। हालांकि अब वे खुद भाजपा में हैं।

ये ही नहीं, विजेंदर सिंह केंद्र सरकार के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान भी काफी मुखर रहे थे। बॉक्सर ने वापस लिए जा चुके तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा था कि, अगर सरकार ÷काले कानूनों÷ को रद्द करने में विफल रहती है तो वह अपना राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार वापस कर देंगे।

टिकट कटने पर महाराष्ट्र भाजपा में बगावत

नई दिल्ली। भाजपा को अनुशासित पार्टी के तौर पर देखा जाता है। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद भी वरुण गांधी, संतोष गंगवार और वीके सिंह जैसी नामी नेता चुप हैं और पार्टी के फैसले के सम्मान की बात कर रहे हैं। लेकिन महाराष्ट्र भाजपा में पहली बगावत देखी गई है। जलगांव सीट से सांसद उन्मेष पाटिल को भाजपा ने इस बार टिकट नहीं दिया है और अब वह उद्धव ठाकरे की शिवसेना में चले गए हैं। बुधवार को उन्होंने उद्धव ठाकरे को शिवसूत्र बांधा और शिवसेना उद्धव ठाकरे की मेंबरशिप ले ली। उन्मेष पाटिल के पार्टी छोड़ने को जलगांव में भाजपा के लिए झटका माना जा रहा है। उन्मेष पाटिल के साथ उनके तमाम समर्थकों ने भी शिवसेना की मेंबरशिप ली।

वह टिकट कटने से नाराज थे। इसके बाद से ही वह भाजपा पर हमला भी कर रहे थे। उद्धव ठाकरे के खेमे में आते हुए उन्मेष पाटिल ने कहा कि, यदि आत्मसम्मान सुरक्षित नहीं रहता है तो फिर रुकने की कोई वजह नहीं है। वह अपने समर्थकों के साथ मातोश्री पहुंचे और शिवसेना उद्धव ठाकरे की मेंबरशिप ली। इस दौरान संजय राउत भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि, मेरी यह लड़ाई किसी पद के लिए नहीं है बल्कि आत्मसम्मान की है। यह विकास की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं तो गठबंधन का सांसद था। ऐसे में यदि एक भाई मेरे साथ विश्वासघात करता है तो दूसरा भाई मेरे साथ खड़ा है।

उन्होंने उद्धव ठाकरे की तारीफ करते हुए कहा कि, वह देश को मजबूत करने में जुटे हैं। उन्होंने वफादार लोगों को अपने साथ रखा है। उन्मेष ने कहा कि आज बहुत से लोग पूछते हैं कि क्या मैं नाराज हूं। मैं बता देना चाहता हूं कि मेरी इच्छा विधायक या सांसद बनने की नहीं है। उद्धव ठाकरे भी किसी पद के लिए नहीं बल्कि देश के लिए लड़ रहे हैं। वह राजनीति को सेवा का एक उपकरण मात्र मानते हैं। बता दें कि, भाजपा ने इस बार उन्मेष पाटिल को जलगांव से मौका नहीं दिया था। उनके स्थान पर पार्टी ने स्मिता वाघ को कैंडिडेट बनाया है। माना जा रहा है कि क्षेत्र के विधायक मंगेश चव्हाण की इसमें भूमिका है। वह पाटिल के विरोधी माने जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से उसके आदेश के अनुपालन में जारी किए गए समाचार पत्रों के विज्ञापनों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा, जिसमें गुट को इस अस्वीकरण के साथ सभी प्रचार चलाने का निर्देश दिया गया था कि उसे 'घड़ी' चिन्ह का आवंटन न्यायालय में विचाराधीन है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले धड़े की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से शरद पवार द्वारा अदालत के 19 मार्च के आदेश का अनुपालन नहीं करने का आरोप लगाने के बाद जारी किए गए विज्ञापनों का विवरण देने को कहा।

पीठ ने कहा, मिस्टर रोहतगी, आपके निर्देश हैं कि इस आदेश के बाद कितने विज्ञापन जारी किये गये। यदि वह (अजित पवार) इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं तो हमें विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। किसी को भी जानबूझकर हमारे आदेश का गलत मतलब निकालने का अधिकार नहीं है।

शरद पवार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि, 19 मार्च को इस अदालत ने एक तर्कसंगत आदेश पारित किया था जिसमें उन्हें (अजित पवार समूह) विज्ञापन जारी करने के लिए कहा गया था कि, 'घड़ी' प्रतीक का आवंटन इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है और उन्हें इन कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम तक उसी विषय का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा था, इस तरह की घोषणा प्रतिवादी (एनसीपी) राजनीतिक दल द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक पर्चे, विज्ञापन, ऑडियो या वीडियो क्लिप में शामिल की जाएगी।

बुरी आदत है, मर्यादा रखो- जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर दूसरे देशों की टिप्पणियों को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के आंतरिक विषयों में बेवजह की टीका-टिप्पणी से बचना चाहिए। दूसरे देशों को अपनी मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। इस तरह के किसी भी हस्तक्षेप पर सख्त जवाब मिलेगा। हाल ही के दिनों में दिल्ली शराब घोटाला मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों ने बयान जारी करते हुए भारत पर नजर बनाए रखने की बात कही थी।

भारत के आंतरिक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय समुदायों की ओर से की जा रही टिप्पणियों के खिलाफ भारत ने कड़ा विरोध जताया है। जयशंकर

ने संवाददाताओं से कहा, किसी ने संयुक्त राष्ट्र के एक व्यक्ति से (केजरीवाल की गिरफ्तारी के बारे में) पूछा, और उन्होंने कुछ जवाब दिया। लेकिन अन्य मामलों में, मैं बहुत स्पष्ट रूप से कहूंगा कि ये पुरानी आदतें हैं, बुरी आदतें हैं। जयशंकर ने राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान करने और एक-दूसरे के घरेलू मामलों में दखल देने से दूर रहने के महत्व पर जोर दिया।

मर्यादा बनाए रखो

उन्होंने कहा, देशों के बीच एक खास मर्यादा है। हम संप्रभु देश हैं, हमें एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, हमें एक दूसरे की राजनीति के बारे में टीका-टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि, कुछ शिष्टाचार और परंपराएं होती हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय संबंधों में पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई देश भारत की राजनीति पर टिप्पणी करता है तो उन्हें हमसे बहुत कड़ा जवाब मिलेगा और यह हुआ भी है। जयशंकर ने आगे कहा, हम विश्व के सभी देशों से आग्रह करते हैं कि दुनिया के बारे में आपके अपने विचार हैं, लेकिन किसी भी देश को खासकर दूसरे देश की राजनीति पर टिप्पणी करने का किसी को अधिकार नहीं है।

राजनीति सेवा के लिए या वोट के लिए

माही की गूंज, झाबुआ।

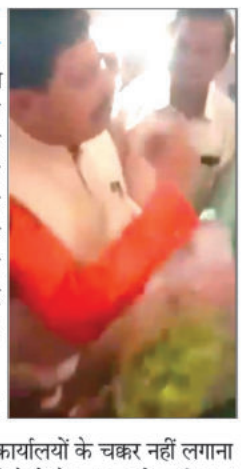

अन्योदय की सेवा के उद्देश्य से राजनीति करने वाले दल के मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से वोट नहीं तो काम नहीं करने संबंधी एक वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि माही की गुंज इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। लेकिन यह वीडियो सही है तो क्या इतने बड़े राज्य के मुख्यमंत्री को यह शोभा देता है कि, वह आम जनता के कार्य करने से इसलिए इनकार कर देता है कि उस क्षेत्र में उनके सांसद नहीं है, विधायक नहीं है, महापौर नहीं है...?

देश के प्रधानमंत्री का कहना है कि, सरकार आम व्यक्ति तक पहुंचे और छोटे-छोटे कार्य के लिए आए जनता को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना पड़े इसलिए मध्य प्रदेश में लोक सेवा गारंटी केंद्रों के माध्यम से सुविधाएं दी जा रही है। उसके बावजूद कई कार्यों के लिए आम जनता को सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाने ही पढ़ते है। मध्य प्रदेश में प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर सुशासन दिवस मनाया जाता है। क्या भाजपा का यही सुशासन है जिसमें एक व्यक्ति सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री के पास कुछ कार्य लेकर जाता है और बदले में मुख्यमंत्री उसको वोट नहीं देने का हवाला देते हुए झिड़क कर आगे बढ़ जाते हैं। इस मुद्दे को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने भी आपत्ति लेते हुए इसे मुख्यमंत्री का अहंकार बताया है। वायरल वीडियो 2 अप्रैल का छिंदवाड़ा जिले का बताया जा रहा है। जहां मुख्यमंत्री यह कहते नजर आ रहे हैं की विधायक हमारा नहीं, सांसद हमारा नहीं तो काम काहे का।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह समेत 54 राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, नौ केंद्रीय मंत्रियों समेत 54 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल मंगलवार व बुधवार को समाप्त हो रहा है। इनमें से सात केंद्रीय मंत्रियों समेत 49 सदस्यों का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। वहीं शेष पांच सदस्यों का कार्यकाल आज समाप्त हो जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह बुधवार (तीन अप्रैल) को राज्यसभा में अपनी 33 वर्ष लंबी संसदीय पारी खत्म की। वह अक्टूबर 1991 में पहली बार उच्च सदन के सदस्य बने थे। वह 1991-1996 तक नरसिंह राव सरकार में वित्त मंत्री और 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे।

सात केंद्रीय मंत्रियों शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री पुरषोत्तम रूपाला, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर, विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे और सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव का कार्यकाल बुधवार को समाप्त होगा। वैष्णव को छोड़कर ये सभी केंद्रीय मंत्री लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वैष्णव और मुरुगन को एक और राज्यसभा कार्यकाल दिया गया है।

उच्च सदन से सेवानिवृत्त होने वालों में समाजवादी पार्टी की जया बच्चन, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी भी शामिल हैं। इनमें से जया बच्चन व मनोज कुमार झा को उनकी पार्टी ने फिर से नामित किया है। हालांकि अभिषेक मनु सिंघवी हिमाचल प्रदेश से चुनाव हार चुके हैं।

मांगों को लेकर डटी हैं लद्दाख की महिलाएं

लद्दाख, एजेंसी।

लद्दाख के मशहूर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के 21 दिनों के अनशन के बाद अब वहां की महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया है। आम मुस्लिम महिलाओं की तरह लद्दाख की नसरीन का रमजान इस बार बहुत अलग है। नसरीन उस आंदोलन में शामिल हैं जो लद्दाख को पूर्ण राज्य और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर हो रहा है। पिछले कुछ महीनों से लद्दाख के लोग अपनी नाजुक संस्कृति और अपने पर्यावरण को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और नसरीन भी उनमें से एक हैं।

न्यूज़ एजेंसी से बातचीत में नसरीन ने बताया, 10 दिनों का अनशन है, हम तो दिनभर रोजा रखते हैं तो इस वजह से हम नमक और पानी भी नहीं पीते हैं। नसरीन अनशन पर हैं तो इस वजह से वह सेहरी (सूर्य के निकलने से पहले खाना) के वक्त सिर्फ नमक और पानी लेती हैं और इफ्तार (सूर्यास्त के बाद) के वक्त कुछ भी नहीं लेती हैं। पहले जलवायु कार्यकर्ता, शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक ने नमक और पानी के सहारे 21 दिनों का अनशन किया। वांगचुक ने 6 मार्च से अपना जलवायु उपवास शुरू किया था और 26 मार्च को उसे

खत्म कर दिया।

इसके बाद लद्दाख की महिलाओं ने पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर अनशन शुरू कर दिया। अनशन में शामिल एक म्यूजिक टीचर शर्मिला रेंजिंग कहती हैं कि वह इन मांगों के समर्थन में हैं और केंद्र सरकार को इन्हें पूरा करना चाहिए। उन्होंने डीडब्ल्यू हिन्दी से कहा, मैं यहां अनशन में बैठीं महिलाओं को सपोर्ट करने के लिए आई हूं। मैं देख नहीं सकती हूं लेकिन इस आंदोलन के बारे में मैंने बहुत लोगों से सुना है। रेंजिंग कहती हैं कि, जब भी उन्हें समय मिलता है तो वह इस आंदोलन को समर्थन देने आ जाती हैं। आंदोलन में सभी धर्मों की महिलाएं किसी भी वक्त अनशन वाली जगह पर 300 के करीब महिलाएं नजर आ जाएंगी लेकिन अनशन कुछ ही महिलाएं कर रही हैं और वे सिर्फ नमक और पानी के सहारे पूरा दिन रहती हैं। अनशन कर रही बौद्ध, ईसाई और मुसलमान धर्म की महिलाएं कहती हैं कि इन मांगों को लेकर लद्दाख के सभी लोग एकजुट हैं। लद्दाख क्रिश्चिन एसोसिएशन की सदस्य सुनीता दाना कहती हैं, केंद्र सरकार ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा तो दिया लेकिन विधानसभा नहीं दिया। हमें राज्य का दर्जा चाहिए और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए।

सुनीता कहती हैं, हमें अपने पर्यावरण को साफ रखने के लिए किसी उद्योग की जरूरत नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चों को नौकरी मिले और हमारी जमीन सुरक्षित हों, यही हमारी मांग है। यांगचांग डोलमा भी पिछले चार दिनों से अनशन कर रही हैं और कहती हैं कि जब तक लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल नहीं किया जाता है उन लोगों का आंदोलन जारी रहेगा। डोलमा का कहना है कि, अगर महिलाएं अनशन खत्म कर लेती हैं तो उसके बाद युवा और बौद्ध धर्म के लोग अनशन शुरू करेंगे। एक और महिला ने बताया कि उसके दो बेटे हैं और एक बेटा सेना में है जो चंडीगढ़ में है। महिला ने एजेंसी को बताया कि, वह सुबह 9 बजे अनशन स्थल पर आ जाती हैं और शाम 5 बजे लौट जाती हैं। महिला का कहना है कि, वह कभी-कभी अपने पति को भी इस अनशन को सपोर्ट देने के लिए साथ ले आती है। क्या-क्या हैं मांगें आंदोलन लेह स्थित एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के संयुक्त प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार की बातचीत विफल होने के बाद शुरू हुआ।

केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई स्टालिन सरकार, हमारे 37 हजार करोड़ दिला दो

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच फंड को लेकर चल रही खींचतान अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार ने शीर्ष अदालत में अर्जी दाखिल कर कहा है कि केंद्र सरकार 37 हजार करोड़ रुपए का फंड नहीं दे रही है, जिसकी प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से निपटने में जरूरत है। राज्य सरकार ने अदालत से मांग की है कि वह केंद्र सरकार से कहे कि तमिलनाडु को 37 हजार करोड़ रुपए की राहत राशि जारी करे। इस रकम से उस नुकसान की भरपाई की जाएगी, जो हाल में आई बाढ़ और मिचौंग चक्रवात से हुआ है।

तमिलनाडु सरकार की अर्जी में कहा गया, फंड में देरी करने का कोई भी कारण या ठोस आधार नहीं है। फंड रिलीज करने के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में देरी करना ठीक नहीं है। यह भेदभाव का एक उदाहरण है। यह उन लोगों के मूलभूत अधिकारों का हनन है, जिन्हें आपदा के संकट में परेशानी उठानी पड़ी। उन लोगों के नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन अब राहत भी नहीं पहुंच पा रही है। यह सौतेला व्यवहार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति का भी उल्लंघन करता है। इससे टैक्स के बंटवारे में संघीय ढांचे का जो नियम है, उसका भी उल्लंघन हो रहा है।

स्टालिन सरकार ने कहा कि, राज्य की ओर से कई बार अपील करने के बाद भी अब तक केंद्र ने फंड रिलीज नहीं किया है। राज्य ने कहा कि, मिचौंग चक्रवात से हुए नुकसान के मद्देनजर 19 हजार 692 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। इसके अलावा अत्यधिक बारिश होने से भी बड़ा नुकसान हुआ और उस संकट से निपटने के लिए 18 हजार 214 करोड़ रुपए मांगे गए हैं। स्टालिन सरकार ने कहा कि केंद्र का यह रवैया सूबे के लोगों के मूल अधिकारों का हनन है। इससे राज्य का विकास बाधित होता है और लोगों का मानसिक उत्पीड़न भी होता है।

तीसरा बदलाव: महाकाल लोक में अब लगेंगी पत्थर की मूर्तियां

उज्जैन।

महाकाल लोक में लगी सप्तऋषियों की मूर्ति को बदलने की तीसरी बार तैयारी की जा रही है। फाइबर की बनी इन मूर्तियों को अब पत्थर की मूर्तियां बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए भगवान श्री राम की प्रतिमा का स्कैच बनाने वाले बनारस के कलाकार सुनील विश्वकर्मा ने ही सप्तऋषियों की मूर्तियों का स्कैच बनवाया गया है। ओर ओडिशा के कोणार्क से 10 कलाकार इसे बनाने में 6 माह का समय लगाएंगे। बताया जा रहा है कि शिवराज सरकार बदलते ही नए सीएम डॉ. मोहन यादव ने यहां पत्थर की मूर्तियां लगाने का आदेश दिया था। इन मूर्तियों को मशीनों से नहीं हाथों से ही तराशा जाएगा।

उज्जैन के महाकाल लोक में सप्तऋषियों की मूर्तियों को 11 महीने में तीसरी बार बदलने की तैयारी की जा रही है। इस बार 2.50 करोड़ की लागत से पत्थरों की मूर्तियां लगाई जाएंगी।उज्जैन के हरि फाटक के पास स्थित हाट बाजार में इन प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। ओडिशा के कलाकारों ने मूर्तियों को तराशने का काम शुरू कर दिया है।

पहले फेज में सप्तऋषि की मूर्तियां बनाई जाएंगी, इसके बाद बाकी मूर्तियों को भी बदला जाएगा। इसके लिए प्रशासन नया एस्टीमेट तैयार कर रहा है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ इन मूर्तियों को तैयार करवा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल 29 मई को सप्तऋषि की 7 में से 6 मूर्तियां आंधी-तूफान की वजह से धराशायी हो गई थी। 66 लाख रुपए में फाइबर रीइन्फोर्स प्लास्टिक से बनी ये मूर्तियां भीतर से खोखली थीं। मूर्तियों के गिरने के बाद तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इन्हें नए सिरे से बनाने के निर्देश दिए थे। अगस्त 2023 में एक बार फिर नई मूर्तियां लगाई गईं।

त्रिवेणी संग्रहालय के क्यूरेटर अशोक मिश्रा बताते हैं, ऋषि अत्रि, कश्यप, गौतम, जमदग्नि, वशिष्ठ, भारद्वाज और विश्वामित्र की मूर्ति को तैयार करने के लिए 8 से 10 कलाकारों की टीम काम करेगी। हर मूर्ति 15 फीट ऊंची, 10 फीट चौड़ी और 4.5 फीट मोटी होगी। सुनील कहते हैं कि हर मूर्ति का स्कैच प्रतिमा विज्ञान के आधार पर तैयार किया है। इसके लिए विभिन्न पौराणिक ग्रंथ का अध्ययन किया। इससे पता चला कि सप्तऋषियों में कौन से ऋषि किस विधा के जानकार थे। उनका स्वभाव कैसा था, ग्रंथ में दी गई डिटेल के आधार पर उनके शारीरिक सौष्ठव की कल्पना की गई है।

ओडिशा से मूर्ति बनाने आये कलाकार ने मीडिया को बताया कि, उनका परिवार पिछले 200 सालों से मूर्तिकला से जुड़ा है। वे खुद 22 साल से इस काम को कर रहे हैं। अभी महाकाल लोक में जो मूर्तियां लगी हैं वो आध्यात्मिकता का एहसास नहीं करातीं। अब जो मूर्तियां वो बनाएंगे वो जीवंत दिखेंगी और आध्यात्मिकता का अनुभव भी होगा। इन्हें डिजाइन के मुताबिक ही तैयार किया जाएगा।

इन्हें तैयार करने में आधुनिक मशीनों का नहीं, बल्कि छैनी हथौड़ी का ही इस्तेमाल होगा। ईश्वरचंद बताते हैं कि मूर्ति बनाने में पत्थर की कटिंग करना मुश्किल काम होता है। इसके जरिए मूर्ति का आकार और शेप तय होता है।जब कटिंग हो जाती है तो फिर इसकी नक्काशी के लिए उन कलाकारों को बुलाया जाता है जो अपनी विधा में पारंगत होते हैं। वे कहते हैं कि हम परंपरागत तरीके से ही मूर्ति को आकार देंगे। ऋषियों के स्वभाव के अनुसार चेहरे पर भाव प्रकट करेंगे।

मूर्तियों के हवा में गिरने पर कांग्रेस, सरकार पर हमलावर हो गई थी। कांग्रेस ने महाकाल लोक प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। लगातार विरोध के बीच सप्तऋषि की 6 मूर्तियों को रिपेयर करने की योजना बनाई गई, लेकिन विरोध ज्यादा बढ़ने पर तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इन्हें नए सिरे से बनवाने की बात कही थी सप्तऋषि की मूर्तियों को मुंबई में तैयार कराकर अगस्त 2023 में इन्हें महाकाल लोक में स्थापित किया गया था।

ठेकेदार से अनुबंध होने के चलते सरकार को कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं करना पड़ा। दावा किया गया कि नई मूर्तियां मजबूत हैं। इनका बेस भी मजबूत रहेगा। पुरानी गलती को दुरुस्त करते हुए इन्हें लोहे की राड और सीमेंट-कांक्रीट मटेरियल से स्थापित किया गया। मूर्तियों के जॉइंट भी मजबूती से जोड़े गए।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने की ईमानदारी व बेईमानी की बात, रोने लगा पार्टी प्रत्याशी

दमोह।

दमोह लोकसभा सीट पर उस वक्त रोचक नजारा देखने को मिला, जब कांग्रेस के प्रत्याशी तरवर सिंह लोधी अपनी नामांकन रैली के मौके पर आयोजित सभा में फूट-फूटकर रोने लगे। दरअसल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभा में भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह से तुलना करते हुए जब तरवर सिंह की तारीफ की तो वे भावुक हो गए और मंच पर ही रोने लगे। जिसके बाद पटवारी ने उन्हें गले लगा लिया।

मंगलवार को सभा के दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने कहा, एक राहुल (भाजपा प्रत्याशी) थे जो लालच में आकर बिक गए और पार्टी छोड़ दी। वे बिकाऊ और गद्दार हैं, दूसरी तरफ हमारे तरवर लोधी हैं, जिन्हें भाजपा ने ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने वह ऑफर स्वीकार नहीं किया। इन्होंने अपने पिता का मान बनाए रखा और पार्टी के साथ जुड़े रहे। ये पाँच साल विधायक रहे, लड़े लेकिन झुके नहीं। जीतू ने कहा ये चुनाव ईमानदारी और बेईमानी के बीच है। उनका प्रत्याशी बिकाऊ है तो कांग्रेस का हमारा प्रत्याशी ईमानदार और टिकाऊ है। इतना सुनते ही बगल में खड़े कांग्रेस उम्मीदवार तरवर सिंह भावुक होकर फफक-फफक कर रोने लगे।

इस घटना को लेकर खुद जीतू पटवारी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'दमोह का साफ सच यही है कि, एक राहुल सिंह थे, जो कथित रूप से लालच में आकर बिक गए और पार्टी ही छोड़ दी। वहीं दूसरी तरफ मेरे भाई तरवर लोधी हैं, जिन्हें भाजपा ने ऑफर दिया था लेकिन, उन्होंने वह ऑफर स्वीकार नहीं किया। ये वही तरवर हैं, जिन्होंने अपने पिता का मान बनाए रखा और पार्टी के साथ जुड़े रहे। ये पांच साल विधायक रहे, लड़े, लेकिन झुके नहीं। दमोह को ऐसे ही ईमानदार व्यक्ति की आवश्यकता है, ऐसे व्यक्तित्व को जनता का भरपूर प्यार और समर्थन मिलना ही चाहिए। तरवर सिंह जी आपका भाव और भावुक मन ही सच्चे जनसेवक होने का सबसे बड़ा सबूत है। जनता आपकी भावनाओं का सम्मान जरूर करेगी।'

वीडियो में पटवारी तरवर लोधी के कंधे पर हाथ रखते हुए कहते हैं 'इनके पास ईमानदारी है, बिका नहीं। वो एक तरफ बिका हुआ एक व्यक्ति है, जिसने 50 करोड़ रु नकद लिए थे। ये आपका बेटा है, आपका भाई, आपके परिवार का साथी है। इसके बाद पटवारी ने गरजते हुए जनता से पूछा- 'एक-एक परिवार का साथी तरवर लोधी के रूप में चुनाव लड़ेगा या नहीं लड़ेगा। लड़ेगा की नहीं लड़ेगा, लड़ेगा की नहीं लड़ेगा। भारत माता की जय'। जब पटवारी ये बातें बोल रहे थे, इस दौरान उनके करीब खड़े तरवर लोधी फूट-फूटकर रो रहे थे।

जीतू पटवारी ने राहुल सिंह का जिक्र इसलिए किया क्योंकि वे पहले कांग्रेस में ही थे और दमोह सीट से कांग्रेस प्रत्याशी तरवर सिंह लोधी के दोस्त भी थे। राहुल ने 2018 में कांग्रेस के टिकट पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्होंने भाजपा के कद्दावर नेता जयंत मलैया को हराया था। हालांकि सन् 2020 में वे भाजपा में शामिल हो गए थे और इसके बाद हुए उपचुनाव में हार गए थे।

द उज्जैन भाई-बहन सुसाइड मामले में नया खुलासा

उज्जैन।

उज्जैन के जीवाजीगंज में भाई बहन के सुसाइड मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस ने मामले में मृतक युवक-युवती के माता-पिता को गिरफ्तार किया है। दोनों पर उकसाने का आरोप लगा है। इतना ही नहीं मां को भी आत्महत्या करने का मन किया लेकिन उसने विदेश में रह रहे पिता को बच्चों का ब्लड दिखाने के लिए उसे फ्रीज में रख दिया और स्कूल पढ़ाने चली गई।

घटना 29 मार्च की शाम करीब 6 बजे की है। पुलिस को सूचना मिली कि 29 साल के युवक और 15 साल की युवती की डेडबॉडी मिली है। जानकारी के अनुसार दोनों ने सुसाइड किया है और मौके पर पहुंच कर जायजा लिया। घटना की जांच के दौरान एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा है ''मां बाप हमारा ख्याल नहीं करते, इसलिए हम सुसाइड कर रहे हैं।''

पुलिस को घर के फ्रिज में ब्लड भी रखा मिला है। जिसके बारे में सुसाइड लेटर में लिखा था कि ये खून बाप को दिखा देना। मृतक युवक युवती के पिता कुवैत में रहते हैं। बीते दिनों उन्होंने मैसेज किया था ,''मेरे पास पैसे कम हैं और कर्ज ज्यादा, मुझसे तुम लोग उम्मीद मत रखना।''

मृतक युवक, युवती की मां ने बताया कि वो भी सुसाइड करना चाहती थी। कुवैत में रहने वाले पति कई साल बाद घर आते थे और घरवालों को समय नहीं देते थे। इतना ही नहीं, घर पर पैसे भी बहुत कम देते थे।

घटना के बारे में पुलिस अधीक्षक ने बताया,'' दो भाई बहनों ने कुछ दिन पहले सुसाइड कर लिया था। दोनों की उम्र करीब 29 साल है। सुसाइड की वजह के बारे में पारिवारिक जानकारी लगी है। बच्चे बाप के घर न लौटने और आर्थिक सपोर्ट न मिलने से परेशान थे। मां भी परेशान रहती थी। मां-पिता दोनों के खिलाफ धारा 306 और 305 के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले में छानबीन जारी है।

खुद की रची कहानी: शिवपुरी से लापता लड़की इंदौर से बरामद

इंदौर।

18 मार्च को गायब शिवपुरी की छात्रा को इंदौर क्राइम ब्रांच ने बरामद कर लिया है। छात्रा और उसके मित्र को इंदौर के समीप खोडल थाना क्षेत्र के इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के पास उसकी सहेली के रूम से बरामद किया। बताया जाता है कि, छात्रा की सहेली इसी कॉलेज से नर्सिंग का कोर्स कर रही है। राजस्थान और मध्य प्रदेश पुलिस की टीमें लापता छात्रा को खोजने में जुटी थीं। छात्रा ने अपने ही अपहरण की झूठी कहानी रची थी। छात्रा के पिता से 30 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी गई थी।

शिवपुरी के बैराड़ इलाके की निवासी यह लड़की 18 मार्च को अपने एक मित्र के साथ लापता हो गई थी। 20 वर्षीय यह लड़की अपने दोस्त हर्षित के साथ देखी गई थी। दोनों की आखिरी लोकेशन इंदौर में पाई गई थी। लड़की के परिजनों ने नीट की तैयारी करने के लिए उसको कोटा भेजा था। उसके लापता होने के बाद पिता को 18 मार्च को एक मैसेज आया कि उसकी बेटी का किडनैप कर लिया गया है। मोबाइल पर लड़की की तस्वीरें भेजी गई थीं।

इसमें वह हाथ पैर बंधी नजर आ रही थी। उसके चेहरे पर खून भी नजर आया था। लड़की के पिता के मोबाइल पर जो मैसेज आया था उसमें उनसे 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी। यही नहीं मैसेज भेजने वाले ने एक बैंक डिटेल भी साझा की थी। पिता ने तुरंत पुलिस से संपर्क कर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। कोटा पुलिस ने मामले में छानबीन की थी। उसे पता चला कि अपहरण की कहानी फर्जी है। पुलिस ने जांच जारी रखी तो उसको पुख्ता हो गया कि लड़की सकुशल है।

पिता ने मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भी इस मामले में गुहार लगाई थी। इस पर सिंधिया ने सीधे राजस्थान के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर लापता छात्रा को जल्द सही सलामत तलाशने की अपील की थी। पुलिस को पता चला कि छात्रा अपने दो दोस्तों के साथ है। इस मामले में इंदौर पुलिस की मदद ली गई। पुलिस ने एक लड़के को पकड़ा और उससे पूछताछ की। पुलिस ने जांच में पाया कि छात्रा इंदौर में ही कहीं है। इस मामले में पुलिस ने 20 हजार रुपये का ईनाम भी रखा था।

पूछताछ में खुद के अपहरण की कहानी रचने की बात कबूली है। छात्रा का कहना है कि वह पढ़ाई में कमजोर थी। उसके परिजन उसे डॉक्टर बनाना चाहते थे। वह अपने मित्र हर्षित के साथ गायब हो गई थी। पूछताछ में पता चला है कि दोनों पहले अमृतसर गए थे। बाद में देवगुराड़िया पहुंचे। दोनों की संदिग्ध गतिविधियां देखकर मुखबिर ने पुलिस को जानकारी दी थी। आखिरकार दोनों को पकड़ लिया गया और पूछताछ की जा रही है।

फाटक पर सड़क खराब होने से आए दिन हो रहे हादसे

माही की गूंज, कलापिपल।

उखड़ा डामर, उड़ती धूल और अलने कंकडी, गड्?डों के बीच गुजरते वाहन, ये नजारा है कालापीपल रेलवे कटक पर बनी हुई सड़क का। यह सड़क अपने निर्माण के करीब एक वर्ष के अंदर ही बड़े-बड़े गड्ढो में तब्दील हो चुकी है। यहा से रोजाना हजारों आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधी, प्रशासनिक अधिकारियों का भी इम पर से गुजरना होता हैं, लेकिन इस छोटी सी समस्या को लेकर रेलवे विभाग गंभीर नहीं है।

कालापीपल में बने रेलवे फाटक के समीप सड़क की दुर्दशा होने से आए दिन हादसे होने से लोग परेशान है। यह सड़क रेलवे के अधीन होने से मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। रेलवे फाटक पर बनी सड़क का निर्माण हुए वर्ष भर भी नहीं बिता है, लेकिन यहां सिर्फ गिट्टी ही नजर आती है इसका डामर पूरी तरह से गायब हो चुका है। रेलवे क्रोसिंग के पास सड़क खराब होने से आए दिन दुपहिया वाहन चालक हादसे के शिकार हो जाते है। फाटक बन्द होने से बड़े भारी वाहनों रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है, जैसे ही फाटक खुलता है तो चालकों में जल्दी निकलने की होड़ मची रहती हैं इस दौरान भारी वाहनों गिट्टी-कंकर उड़ते है जिससे भी दो पहिया वाहन चालक चोटिल हो जाते है।

विक्रम मेला: राजस्व विभाग का मिला राजस्व, करोड़ो के बिके वाहन

माही की गूंज, उज्जैन। महाकाल की नगरी में विक्रम व्यापार मेले ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उज्जैन के वाहन मेले से 7 सौ करोड़ रुपए के करिब वाहन बिक चुके हैं। उज्जैन वाहन मेला अभी 9 अप्रैल तक चलेगा। इन वाहनों की बिक्री से लोगों को करिब 65 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचा है। जबकि परिवहन विभाग को मेले में खरीद फरोख्त से 65 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। आजादी के बाद से अभी तक एक महीने के भीतर 65 करोड़ रुपये का राजस्व मिलना सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

धार्मिक नगरी उज्जैन में 1 मार्च से 9 अप्रैल तक विक्रम व्यापार मेले का आयोजन किया गया है। जिसके तहत वाहनों की खरीदी पर 50 फीसदी पंजीयन शुल्क पर छूट मिल रही है। उज्जैन के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष मालवीय ने मीडिया को बताया कि, अभी तक परिवहन विभाग को 65 करोड़ रुपये का राजस्व मिल चुका है, जबकि इतने ही राजस्व की आम लोगों को वाहन खरीदी पर छूट मिल चुकी है। परिवहन अधिकारी ने बताया कि, विक्रम व्यापार मेले में लगभग 700 करोड़ रुपए के वाहन का व्यापार हो चुका है। इस मेले में मध्य प्रदेश के कई जिलों से आए लोगों ने वाहन खरीदे और छूट का लाभ उठाया है। वाहन मेले में परिवहन विभाग ने भी अपना अस्थाई दफ्तर स्थापित किया है। जिससे यहां पर आने वाले वाहन मालिकों को मेले में ही पंजीयन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। विक्रम वाहन मेले से परिवहन विभाग के राजस्व का कोटा तेजी से पूरा हो रहा है।

गरीबों से सबसे ज्यादा टैक्स वसूली जीएसटी से

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा पुरानी विक्रय कर व्यवस्था को समाप्त कर, वर्ष 2017 से जीएसटी वस्तु एवं सेवा कर के रूप में टैक्स की जो नई व्यवस्था शुरू की है। उसमें सबसे ज्यादा टैक्स गरीबों को देना पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में जब यह टैक्स शुरू हुआ था। उस वित्तीय वर्ष में 7.9 लाख करोड़ रुपए जीएसटी से केंद्र एवं राज्य सरकारों को मिले थे। उसके बाद से दायरा निरंतर बढ़ता चला गया। वस्तुओं पर टैक्स के अलावा सेवाओं को जीएसटी के दायरे में लाकर बहुत सारी चीजों को शामिल किया गया। जिसके कारण जीएसटी का कलेक्शन साल दर साल बढ़ता रहा। वस्तुओं की खरीदी के साथ-साथ अब हर किस्म की सेवा में भी जीएसटी का भुगतान गरीब और अमीर सभी को करना पड़ रहा है। जिन सेवाओं पर कभी कोई टैक्स नहीं लगता था, उन सभी को टैक्स के दायरे में लाया गया है। टैक्स की दरें भी बहुत ज्यादा होने के कारण, जीएसटी का बोझ आम आदमी पर बढ़ता ही जा रहा है। सरकार की प्रतिमाह जीएसटी की कमाई लगातार बढ़ रही है। यह टैक्स जनता से ही वसूल किया जा रहा है। 2017-18 में जीएसटी से 7.19 लाख करोड़, 2018-19 में 11.77 लाख करोड़, 2019-20 में 12.22 लाख करोड़, 2020-21 में 11.36 लाख करोड़, इस वित्तीय वर्ष में कोविड के कारण लंबे समय तक लॉकडाउन लगा रहा। 2021-22 में 14.76 लाख करोड़ रुपए की आय सरकार को हुई। उसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जीएसटी के दायरे में अन्य वस्तुओं और सेवाओं को शामिल किया। इस कारण 2022-23 और 2023-24 में जीएसटी की आय बड़ी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हुई। वर्ष 2023 के मुकाबले में वर्ष 2024 में जीएसटी के कलेक्शन में 22 से 23 फ़ीसदी तक की वृद्धि देखी जा रही है।

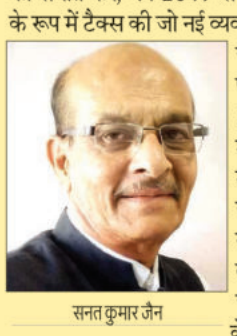

सनत कुमार जैन

केंद्र सरकार द्वारा जो राज्यवार आंकड़े जारी किए गए हैं, उसमें कर्नाटक राज्य से 26 फ़ीसदी, हरियाणा में 23 फ़ीसदी, महाराष्ट्र में 22 फ़ीसदी, पंजाब राज्य में 20 फ़ीसदी, उत्तर प्रदेश में 19 फ़ीसदी, मध्य प्रदेश में 19 फ़ीसदी, गुजरात में 15 फ़ीसदी, राजस्थान में 15 फ़ीसदी तथा बिहार राज्य में 14 फ़ीसदी की दर से टैक्स कलेक्शन में वृद्धि हुई है। वर्ष 2023-24 के मार्च महीने में जीएसटी कलेक्शन 11.5 फ़ीसदी बढ़कर 1.78 लाख करोड रुपए का हो गया है। जो अभी तक का सर्वाधिक जीएसटी कलेक्शन है। यह टैक्स आम जनता से प्रत्यक्ष कर के रूप में वसूल किया जा रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने ऐसी कोई वस्तु अथवा सेवा को नहीं छोड़ा है, जो जीएसटी के दायरे में नहीं आती हो। उन्हीं चीजों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिसमें बहुत कम राजस्व की प्राप्ति होती है। भारत के गरीब हों या मध्यम वर्ग हो, किसान हों यह पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं हों। सभी को 12 फ़ीसदी से लेकर 28 फ़ीसदी तक का टैक्स देना पड़ रहा है। लोगों की क्रय क्षमता लगातार घटती चली जा रही है। भारत में सबसे ज्यादा टैक्स गरीबों से वसूल किया जा रहा है।

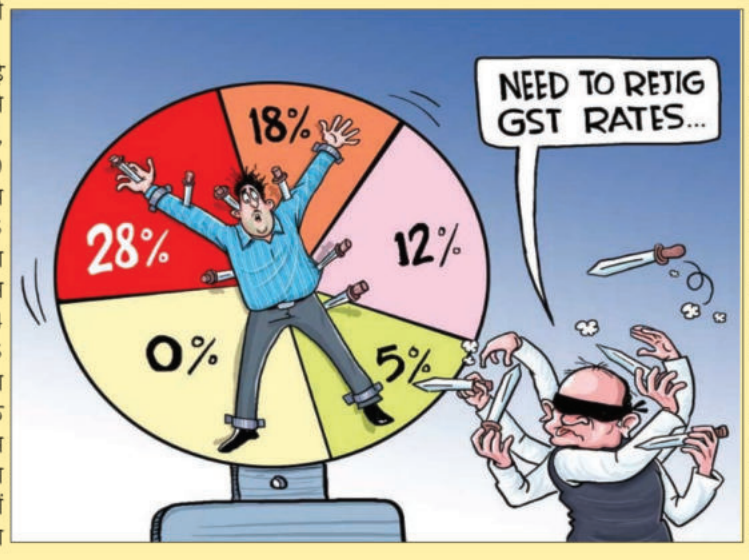

गरीब जितनी भी कमाई करता है, वह पूरी खर्च कर देता है। गरीब के परिवार में दो से तीन लोग काम करते हैं। महीने में 20 से 30000 रूपये किसी भी तरीके से परिवार के सभी सदस्य मिलकर कमाते हैं। जो पैसा उनके हाथ में आता है वह सारा खर्च कर देते हैं। वही सबसे ज्यादा जीएसटी का टैक्स भर रहे हैं। भारत में गरीबों की आबादी सबसे ज्यादा है। कांग्रेस पार्टी इसे गब्बर सिंह टैक्स भी कहती है। जीएसटी का आतंक गरीब और मिडिल क्लास सबसे ज्यादा झेल रहा है। गरीब अपना पैसा शराब, बिड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और पेट्रोल में सबसे ज्यादा खर्च करता है। इनमें सबसे ज्यादा टैक्स देना होता है। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य वस्तुएं जीएसटी के दायरे में हैं। सरकार एक गरीब परिवार से 3000 रूपये से लेकर 9000 रूपये तक का टैक्स वसूल करती है। बदले में गरीब परिवार को 2 से 3000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रतिमाह केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबों से प्रत्यक्ष रूप से कभी भी इतना भारी टैक्स नहीं वसूल किया गया, जो जीएसटी के रूप में वसूल किया जा रहा है। गरीबों की 80 करोड़ से ज्यादा की आबादी है। वही सबसे ज्यादा टैक्स अदा कर रहे हैं। सरकार गरीबों को आर्थिक सहायता देकर यह संदेश देती है, कि सरकार उनके लिए पैसा खर्च कर रही है। गरीबों के वोट पाने के लिए इस तरह का संदेश दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है, कि गरीबों से पिछले 6 वर्षों में सबसे ज्यादा टैक्स केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जीएसटी के रूप में वसूल किया है। मध्यम वर्ग यह मानकर चलता है, कि जो टैक्स वह अदा कर रहे हैं, उससे गरीबों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। लेकिन यह अब सच नहीं रहा। मध्यम वर्ग से ज्यादा गरीबों से जीएसटी वसूल की जा रही है। गरीबों से जितना टैक्स वसूल किया जाता है, उससे कम आर्थिक सहायता दी जा रही है। राजनीतिक दल गरीबों के वोट पाने के लिए इस तरह का संदेश मध्यवर्ग और गरीब वर्ग के बीच में देते हैं। भारत में मतदान का अधिकार सभी को प्राप्त है। राजनीतिक दल गरीबों के वोट जो संख्या में 80 फ़ीसदी से ज्यादा होते हैं। उनके एक तरफा वोट जुटाने के लिए इस भ्रम को बनाए रखते हैं। अब यह बात, धीरे-धीरे जनता भी समझने लगी है। महंगाई लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार का टैक्स कलेक्शन भी उसी हिसाब से बढ़ता चला जाता है। अब गरीब हो या मध्यम वर्ग, सभी को टैक्स देना पड़ रहा है। भारत में विभिन्न माध्यमों से जिस तरह से टैक्स वसूल किया जा रहा है। उसके कारण आम नागरिक की आय का बहुत बड़ा हिस्सा, अमूमन 50 से 65 फीसदी तक, अप्रत्यक्ष कर, जीएसटी, आयकर तथा स्थानीय संस्थाओं के करों के रूप में देना पड़ रहा है। इस कारण आम जनता में असंतोष बढ़ रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को इस ओर समय रहते ध्यान देने की जरूरत है।

मानहानी : पूर्व सीएम के साथ वीडी शर्मा और भूपेंद्रसिंह के खिलाफ जमानती वारंट जारी

भोपाल।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह , बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और विधायक भूपेंद्र सिंह के खिलाफ मानहानि मामले में जबलपुर की स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने मंगलवार (2 अप्रैल) को जमानती वारंट जारी किया है. कांग्रेस के राजयसभा सदस्य विवेक तन्खा द्वारा लगाए 10 करोड़ रुपये के मानहानि केस में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से तीनों नेताओं को फिलहाल राहत नहीं मिली है.

शिवराज सिंह चौहान,वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह की ओर से 7 जून को पेश होने के लिए दिए गए आवेदन को भी कोर्ट ने निरस्त कर दिया. कोर्ट ने अब तीनों नेताओं को 7 मई 2024 को व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए आदेश दिए हैं. विशेष न्यायाधीश विश्वेश्वरी मिश्रा ने यह आदेश जारी किया. वहीं कोर्ट ने कहा कि 'बीजेपी के सभी वरिष्ठ नेता कोर्ट के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कर आमजन में अनुकरणीय आचरण पेश करें. व्यक्तिगत व्यस्तता से कोर्ट के आदेशों का पालन न करने से आम जन के मानसिक पटल पर प्रभाव पड़ेगा.।

दरअसल शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और भूपेन्द्र सिंह की तरफ से पेश वकील ने एक आवेदन कोर्ट में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं और इस समय चुनाव चल रहे हैं. इसलिए व्यस्तता के चलते खुद

कोर्ट में उपस्थित होने में असमर्थ हैं. कोर्ट ने आवेदन पत्र पर नाराजगी जताई और इसे अस्वीकार करते हुए वकील को फटकार लगाई. अब मामले की अगली सुनवाई 7 मई को होगी, जिसमें तीनों नेताओं को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

पूरा मामला?

गौरतलब है कि राज्य सभा सदस्य तन्खा द्वारा एमपी-एमएलए कोर्ट जबलपुर में पूर्व सीएम शिवराज सिंह, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और विधायक भूपेंद्र सिंह के खिलाफ 10 करोड़ की मानहानि का परिवाद दायर किया गया है. इसमें आरोप लगाया गया है कि सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण से संबंधित उन्होंने कोई प्रतिकूल बात नहीं कही थी. उन्होंने मध्य प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव मामले में परिसीमन और रोटेशन की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में पैरवी की थी।

कोर्ट ने चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर रोक लगा दी तो शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह ने उनके खिलाफ गलत आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया. 20 जनवरी 2024 को कोर्ट ने तीनों नेताओं को धारा 500 का दोषी मानते हुए प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए थे. इस आदेश के खिलाफ मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका लगाई गई थी, जिसमें तीनो नेताओं को अंतरिम राहत नहीं मिली।

तपस्वी राज पूज्य कान मुनि जी को श्री संघ ने दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, पेटलावद।

मालवा के ग्राम धूलेट ;धारद्धके मात्र 14 वर्ष की उम्र में पूरे परिवार सहित दीक्षित होने वाले पूज्य कान मुनि जी महाराज साहब का 93 वर्ष की आयु में महाराष्ट्र के जलगांव शहर में एक अप्रैल 2024 को संथारा पूर्वक देवलोक गमन हो गया। तपस्वी राज ने पेटलावद में चातुर्मास भी किया था व कई बार धार्मिक शिविर भी आपकी निश्राय में श्री संघ में संपन्न हुए हैं। उल्लेखनीय है किए पिता लालचंद जी महाराज एभाई श्रीमान मुनिजी महाराज साहब एगीतार्थ संत पारस मुनिजी महाराज साहबए बहन मालव सिंह कौशल्या कुंवर जी महाराज साहब सेवा की प्रतिमूर्ति साध्वी श्री मैंना कुंवर जी महाराज साहब भी स्थानकवासी परंपरा में दीक्षित हुए थे। और आपके निधन के बाद पूरा परिवार देव लोग गमन कर चुका है। जिनके सम्मान में पेटलावद श्री संघ में गुणानुवाद सभा नवकार मंत्र के जाप व श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। अध्यक्ष अनोखी लाल मेहता ने कहा वह स्थानकवासी जैन परंपरा के कोहिनूर हीरे थे। पूरे परिवार ने संयंम पथ अंगीकार कर जैन धर्म का मान बढ़ाया थाए अपने गुणों की वजह से अन्य जैन संप्रदाय में भी काफी सम्मानित संत थे और व्यक्तित्व से कई मुमुक्षु आत्मा के हृदय में वैराग्य का अंकुरण भी किया। बहुत ही सरल तरीके से प्राकृत भाषा के कठिन से कठिन पाठ श्रावक श्राविका को पल भर में सिखा देते थे। सचिव विनोद

बाफना ने कहाए उन्होंने कई सघों में धार्मिक वेशभूषा के साथ धर्म आराधना करने की प्रेरणा दी। पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र कटकानी ने कहाए आचार्य श्री उमेश मुनि जी महाराज व तपस्वी कान मुनि जी महाराज साहब का जब भी मिलन होता था। दोनों एक दूसरे को दीक्षा में बड़े होने से कान मुनि जी को उमेश मुनि जी व पदवी में बड़े होने से कान मुनिजी उमेश मुनिजी को प्रणाम करने को आतुर हो जाते और यह दृश्य देखकर कई श्रावक श्राविका भाव विभोर हो जाते थे। संघ संवाददाता जितेंद्र मेहता ने कहा पूरा कान मुनि जी महाराज साहब का परिवार जैन संघ की व अपनी आत्मा के उत्थान में जीवन भर लग रहा। अखिल भारतीय चंदना श्राविका संगठन संगठन की डुंगर प्रांत की अध्यक्ष खुशबू कटकानी ने अपने जीवन कि पहली बड़ी तपस्या को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। महावीर समिति के उपाध्यक्ष चेतन कटकानी ने कहाए पूज्य कान मुनि जी अपने शिविरों के लिए सदैव याद रखे जाएंगे । स्वाध्याई सोहन चाणोदीया रोहित कटकानी व ज्ञानमल भंडारी ने भी कई प्रेरणादायक प्रसंग को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी ।सभा में कांतिलाल झाड़मता एचंदनमल चाणोदीयाए मणिलाल मेहताए बहू मंडल अध्यक्ष अनीता मोदीए महिला मंडल अध्यक्ष एआजाद भंडारी पूर्व अध्यक्ष मधु मेहताए चंचला झाडमता आदि उपस्थित थे ।संचालन राजेंद्र कटकानी ने किया।

वृद्धजनो और दिव्यांगो का सम्मान कर मतदान की दिलाई शपथ

माही की गूंज, बरवेट।

कलेक्टर नेहा मीणा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत ;जिला नोडल स्वीपद्धए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिल कुमार राठौर के मार्गदर्शन में विकासखण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत बरवेट में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत में मेहंदी प्रदर्शनए रंगोली प्रदर्शनए मतदाता जागरूकता शपथ एवं मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। 85 वर्ष उम्र के मतदाता और दिव्यांग मतदाताओ का पुष्प माला से स्वागत किया गया। साथ ही 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता का घर.घर जाकर आगामी लोकसभा चुनाव में

मतदान हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी रेखा गिरिए प्रिंसीपल मोतीराम मालवीयए बीएसी सोलंकीए जन शिक्षक अमृत लाल पाटीदारए रामेश्वर पाटीदारए लोकेंद्र वैरागीए समस्त बीएलओए अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी और बरवेट के निवासीए स्वयं सहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे। पेटलावद सीईओ राजेश दीक्षित के दिशा निर्देश अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में बीआरसी श्रीमती रेखा गिरि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

इंडोर स्टेडियम नगर परिषद थांदला में बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा क्षेत्र 194 थांदला में अनुपस्थित श्रेणी के मतदाताओं के संबंध में इंडोर स्टेडियम नगर परिषद थांदला में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुपस्थित श्रेणी के मतदाताओं के संबंध में सभी बीएलओ को मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा फॉर्म को भरने संबंधी रखने वाली सावधानियां बताई गई। बैठक में सहायक रिटर्निंग अधिकारी तरुण जैनए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर मुकेश सोनीए तहसीलदार थांदला अनिल बघेलए तहसीलदार मेघनगर विजेंद्रसिंह कटारेए नायब तहसीलदार श्रीमती मृदुला सचवानी एवं नोडल अधिकारीए निर्वाचन कार्यालय के समस्त कर्मचारीए समस्त सेक्टर अधिकारी एवं विधानसभा के समस्त बीएलओ उपस्थित हुए।

कलेक्टर ने दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर ने रंगपुरा स्थित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रोस्थेटिक और ओर्थोटीक कार्यशाला की कार्यपद्धति देखकर प्रोस्थेटिक लेग और हेण्ड बनाने की विधि के बारे में और उसमें प्रयुक्त मटेरियल से अवगत हुए। इसी के साथ कलेक्टर ने मानसिक दिव्यांग कक्ष में स्पेशल एजुकेटर से चर्चा की गई। स्पीच थेरेपी और ऑडियोलॉजी कक्षए फिजियो थेरेपी कक्ष में प्रतिदिन आने वाले मरीजो व शुल्क की जानकारी ली गई। इसी के साथ कलेक्टर द्वारा सीडब्लूएसएन (चिल्ड्रन विथ स्पेशल नीड्ज) हॉस्टल का भ्रमण किया जाकर सफाई व रख-रखाव के निर्देश दिए गये। इस दौरान कलेक्टर ने केंद्र में सेंसरी गार्डन और पूर्ण अंधत्व बच्चो के लिए लेब बनाये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने और पुनर्वास केंद्र के रंग.रोगन संबंधित कार्यो को किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के पंकज सावलेए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के प्रबंधक शेलेन्द्रसिंह राठौर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिनेन्द्रमुनि जी का 65 वाँ जन्मदिवस जप तप से मनाया

माही की गूंज, थांदला।

धर्मदास गणनायकए आचार्य श्री उमेशमुनि जी के प्रथम शिष्य प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी मण्साण् का 65 वाँ जन्म दिवस अखिल भारतीय चंदना श्राविका संगठनए डूंगर प्रांत थांदला द्वारा जप तप त्याग तपस्या एवं विभिन्न आराधना द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर मंगलवार को बामनिया में गौशाला जाकर गायों को लापसी खिलायी गई। जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष इंदु कुंवाड़ए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनीता गादियाए राष्ट्रीय संरक्षिका रेखा गांधी एरंजन गादियाए उषा भंसालीए संध्या भंसाली एस्नेहलता वोहराए सुधा शाहजीए किरण पावेचा एस्वीटी जैन एअमिता गादियाए सुनिता पीचा ए माधुरी छाजेड़ एशांता शाहजीए अलका वोहरा ए हेमा मेहताए रोमी पालरेचाएसीमा चौरड़ियाए राजल कुंवाड़ उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ आयोजित

माही की गूंज, सारंगी।

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर ग्राम सारंगी की पाटीदार धर्मशाला में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें पेटलावद विधायक व महिला बाल विकास विभाग कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरियाए वन एवं पर्यावरण मंत्री नागरसिंह चौहानए रतलाम.झाबुआ सीट से लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती अनिता चौहानए भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भुरीया की उपस्थित रहे। सभी मंच पर उपस्थित अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को बारी.बारी से संबोधित किया। पार्टी को हर गांवए

हर बुथ से भारी से भारी मतों से विजय दिलाना है और उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी हर बुथ से भारी मतों से विजय दिलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा सारंगी मंडल के मोर्चेए प्रकोष्ठों के मंडल अध्यक्षए पदाधिकारीगण और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। वन मंत्री नागरसिंह चौहानए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया एवं लोकसभा प्रत्याशी अनीता चौहान का ग्राम में स्वागत किया गया।

टूटते कुनबे को बचाने में जुटे कमलनाथ

भोपाल।

मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों में कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी का दामन थाम लिया. जिससे आम चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए सियासी संकट के तौर पर देखा जाने लगा।

हालांकि छिंदवाड़ा की सियासत में एक बार फिर नया मोड़ आया है. जब मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने बिखरते कुनबे को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी।

पूर्व मुख्मंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को करीबी नेता दीपक सक्सेना के घर पहुंचे। इस दौरान पूर्व सीएम कमनलनाथ अकेले नहीं थे, बल्कि उनके साथ जिले के पांच कांग्रेसी विधायक भी थे जो दीपक सक्सेना के घर पहुंचे। जहां बंद कमरे में कमलनाथ ने दीपक सक्सेना के साथ चर्चा की।इस मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में कयासआराई का दौर शुरू हो गया है।

बता दें, दीपक सक्सेना का शुमार कमलनाथ के करीबी नेताओं में होता रहा है. साल 2019 विधानसभा चुनाव में दीपक सक्सेना ने छिंदवाड़ा सीट कमलनाथ के लिए छोड़ दी थी। कांग्रेस की मध्य प्रदेश में सरकार बनने पर उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया गया था। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद दीपक सक्सेना ने पिछले माह कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया था।

सक्सेना के पुत्र बीजेपी में हो चुके हैं शामिल

इससे पहले उनके पुत्र अजय सक्सेना बीजेपी में शामिल हो गए। अजय सक्सेना के साथ कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा के चार सौ अन्य कांग्रेस के नेता, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं भी बीजेपी में शामिल हो गए। आम चुनाव से ठीक पहले दीपक सक्सेना और अजय सक्सेना के साथ इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पार्टी छोड़ने को कांग्रेस और कमलनाथ के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

कांग्रेस छोड़ने की सक्सेना ने बताई वजह

इंडियन एक्सप्रेस में छपी खबर के मुताबिक, दीपक सक्सेना ने कांग्रेस छोड़ते समय कमलनाथ और पार्टी से किसी भी तरह की अनबन की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया था। इस मौके पर उन्होंने कहा कि था, ÷मेरा बेटा (अजय सक्सेना) बीजेपी में शामिल हो गया है। हालांकि मैंने उसे ऐसा फैसला लेने से काफी रोका था। मुझे नहीं मालूम कि अजय सक्सेना ने कांग्रेस क्यों छोड़ दी।

दीपक सक्सेना ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के सवाल पर कहा कि, इससे पहले लोग कहना शुरू करे कि पिता-पुत्र दोनों अलग-अलग पार्टी से वोट मांग रहे हैं। इसलिए मैंने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोड़ने के अलावा मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं बचा था।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमे मुख्यतः जिले के ब्लैक स्पॉटए बस स्टैंड की व्यवस्थाओंए जिले में संचालित यात्री वाहनों के सुरक्षित परिवहन के विषय में चर्चा की गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में जिले में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की गाइडलाइन अनुसार 03 ब्लैक स्पॉट चिन्हित है जिसमे ग्राम बोरवा गट्टू घाटी कुशलगढ़ मार्ग थांदलाए सूर्या पेट्रोल पंप के सामने मेघनगरए कालीदेवी थाने से छापरी फाटा के बीच चिन्हित है।

उक्त सभी ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु समुचित सुधारात्मक उपाय करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बस स्टैंड पर फल विक्रेता एवं अव्यवस्थित फैले ठेलो हेतु मार्किंग करने पर जोर दिया गया। जिला कलेक्टर द्वारा बस स्टैंड पर अतिक्रमण रोकने की प्रभावी कार्यवाही हेतु आरटीओए सीएमओ और ट्रैफिक पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए गए जो समय.समय पर बस स्टैंड का निरीक्षण कर आवश्यक करवाई करेगी। नवीन शिक्षा सत्र शुरू होने पर कलेक्टर ने आरटीओ कृतिका मोहटा को निर्देशित किया कि वो जिला शिक्षा अधिकारी के साथ मिल कर सभी स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित करे और सभी स्कूल बस के दस्तावेज पूर्ण करावे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्लए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीण्एलण्कुर्वेए सीएमओ झाबुआ एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

चुनाव मुकाबले में सुनिश्चित हो समान अवसर

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि, राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं। हाल के दिनों में पार्टी के बकाया कर मामले में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि, उसके खाते सील होने के चलते उसे चुनाव लड़ने में दिक्कत हो रही है। वह अपने प्रत्याशियों को हवाई टिकट नहीं दे पा रही है। यह भी कि वह बड़ी चुनावी रैलियां नहीं कर पा रही है। आरोपों की तार्किकता और देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी का वित्तीय प्रबंधन अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मुकाबले का नैतिक नियम यही है कि चुनावी मुकाबले में हर राजनीतिक दल को बराबर का अवसर दिया जाए। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को वचन दिया है कि जुलाई तक आयकर विभाग कांग्रेस से बकाया 3 हजार 500 करोड़ से अधिक के कर वसूलने के बाबत कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में कुछ ही हफ्ते बाकी रह गए हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को राहत देने के चलते यह प्रकरण कर मामलों के राजनीतीकरण के बाबत प्रासंगिक प्रश्न भी उठाता है। यही वजह है कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल 'कर आतंकवाद' के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने के लिये राज्यतंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। यह प्रकरण इन्हीं आरोपों की कड़ी को विस्तार देता है। निश्चित रूप से, बार-बार आयकर विभाग की चेतावनी और ठीक चुनाव से पहले कांग्रेस के फंड पर रोक कई सवालों को जन्म देती है। जो किसी भी स्वतंत्र लोकतंत्र की पारदर्शी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी फंड पर रोक लगाने से कोई भी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार अभियान में पंगु हो जाता है। जो किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता।

बहरहाल, चुनाव के कुछ समय बाद तक आयकर बकाया मामले में कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने का वायदा निश्चित रूप से कांग्रेस को तात्कालिक वित्तीय दबाव से कुछ राहत जरूर देगा। लेकिन यह कदम कर कानून प्रवर्तन में निष्पक्षता और पारदर्शिता की अंतर्निहित चिंताओं का समाधान प्रदान नहीं करता है। निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी आरोप-प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में बीते रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ रैली' हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है। विपक्षी नेताओं का आरोप रहा है कि असहमति की आवाज को दबाने के लिये सत्तारूढ़ दल सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। नेताओं ने विपक्षी नेता अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुराग्रह से की गई कार्रवाई के रूप में दर्शाया है। बहरहाल, विपक्षी गठबंधन में तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद सरकारी एजेंसियों द्वारा विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने के मुद्दे ने विपक्षी दलों में प्राणवायु का संचार किया है। इसी मुद्दे को लेकर संयुक्त मोर्चा जन समर्थन जुटाना चाहता है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों ने चुनाव आयोग से मांग की है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई पर रोक लगे। वहीं कथित चुनावी कदाचार की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जाए। यानी चुनाव प्रक्रिया के दौरान संस्थागत निष्पक्षता से ही लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक ढांचे में जनता का भरोसा तभी कायम रह पाएगा जब चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे। इस चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने का कोई प्रयास व किसी भी तरह की ऊंच-नीच की कोई धारणा लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर ही करती है।

पलटूरामों को सबक सिखाने का है वक्त

विश्वनाथ सचदेव

गुजराती के प्रतिष्ठित कवि हैं वे। उस दिन टेलीफोन पर क्रिकेट मैच देखते हुए अचानक बोले, 'हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं?' क्या नहीं कर सकते हैं हम, जब उनसे यह पूछा तो उन्होंने कहा, 'वही, जो क्रिकेट के दर्शक कर रहे हैं।' फिर उन्होंने जैसे समझाते हुए कहा था, 'हार्दिक गुजरात से खेलता था, वह पाला बदलकर मुंबई की टीम का कप्तान बन गया है। दर्शक इस पलटूराम को स्वीकार नहीं कर रहे, इसलिए उसके खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हम अपने राजनेताओं के साथ ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हमें भी उनका बहिष्कार कर देना चाहिए।' और फिर हम हंस दिये थे।

यह सवाल सिर्फ हंसने वाला नहीं था। चुनाव का मौसम चल रहा है। आये दिन नेताओं के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं। फलाना नेता फलाना दल छोड़कर फलाने दल में चला गया है, फलाना नेता घर-वापसी कर गया है, फलाने नेता ने कल रात दल न बदलने की कसम खायी थी, आज सवेरे वह फिर दल बदलू बन गया है, अखबारों में इस तरह के शीर्षक आम बात हो गये हैं। टी.वी. चैनलों पर चटकारे ले-लेकर इस आशय की खबरों को सुनाया-दिखाया जा रहा है। न दल बदलुओं को अपनी कथनी-करनी पर शर्म आ रही है और न ही राजनीतिक दलों को कोई संकोच हो रहा है उनका स्वागत करने में जिन्हें कल तक वह भ्रष्टाचारी, बेईमान, धोखेबाज जैसे विशेषणों से नवाज़ा करते थे। मेरा गुजराती कवि मित्र ऐसे ही लोगों की बात कर रहा था3 पर कौन सुन रहा है उसकी बात? लेकिन इस आवाज़ को सुना जाना ज़रूरी है। खास तौर पर जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां मतदाता उम्मीदवार की नीतियों, बातों पर भरोसा करके उसे अपना प्रतिनिधि चुनता है। ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों का कोई अधिकार नहीं बनता कि वे अपने मतदाता के साथ इस तरह की धोखेबाजी करें।

हां, ऐसे दलबदलुओं को धोखेबाज ही कहा जा सकता है जिनके लिए येन-केन प्रकारेण सत्ता में हिस्सेदारी करना ही राजनीति का उद्देश्य है। दुर्भाग्य यह है कि इस धोखेबाजी को हमारी राजनीति में ही नहीं, हमारे जीवन में भी स्वीकार कर लिया गया है! जनता की, जनता के लिए, और जनता द्वारा चुनी गयी सरकार वाली व्यवस्था में यह मानकर चला जाता है कि चुने हुए प्रतिनिधि कुछ नीतियों-कार्यक्रमों के आधार पर जनता के हित में काम करेंगे। मतदाता भी कुछ घोषित नीतियों और आश्वासनों के आधार पर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं और यह मानकर चला जाता है कि सत्ता में होने के अपने कार्य-काल में चुने हुए नेता और राजनीतिक दलगत उन नीतियों और आश्वासनों के अनुरूप कार्य करेंगे। दलगत राजनीति वाली जनतांत्रिक व्यवस्था में कुछ नीतियों के आधार पर दलों का गठन होता है और यह अपेक्षा होती है कि राजनीतिक दल अपनी घोषित नीतियों के प्रति ईमानदार रहेंगे। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। पिछले 75 सालों में हमने राजनीतिक दलों और राजनेताओं की सिद्धांतहीन और अनैतिक राजनीति के ढेरों उदाहरण देखे हैं।

इस समय देश में 18वीं लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया चल रही है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन में लगे हैं और राजनेता उन राजनीतिक दलों का दामन पकड़ने की कोशिश में हैं जो उन्हें जीत की कच्ची-पक्की गारंटी दे सकते हैं। उम्मीदवारों के चयन का आधार सिर्फ उनके जीतने की संभावनाएं ही हैं। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि वे कैसे जीतते हैं- बस जीतना चाहिए।

जनतांत्रिक व्यवस्था सिर्फ एक प्रणाली नहीं है, एक जीता-जागता विचार है यह प्रणाली। बहुमत के आधार पर घोषित नीतियों के अनुसार शासन चलाने के लिए व्यक्तियों-दलों को चुना जाता है। उम्मीद की जाती है कि उन नीतियों का पालन होगा। इस प्रणाली में मतदाता सिर्फ अपना प्रतिनिधि ही नहीं चुनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन के संदर्भ में अपने विचार भी स्पष्ट करता है। मतदाता के इन विचारों का सम्मान होना ही चाहिए। पर, इस संदर्भ में हम जो कुछ अपने देश में होता देख रहे हैं, वह कुल मिलाकर निराश ही करता है। पिछले 75 सालों में हमने बार-बार इस बात को देखा है कि चुने जाने के बाद राजनेता और राजनीतिक दल सिर्फ आश्वासनों को ही नहीं भूलते, उन नीतियों-मूल्यों को भी याद रखने की आवश्यकता नहीं समझते जिनकी दुहाई देकर वे सत्ता में पहुंचते हैं। चुने जाने के लिए दल बदलना ऐसे ही सत्ताकामी सोच का उदाहरण है।

ऐसा नहीं है कि इस विसंगति की ओर कभी, या किसी का ध्यान नहीं गया। ध्यान गया था। इसीलिए कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी बनायी गयीं जो दल-बदल से उत्पन्न अराजक स्थिति को कुछ संवारे। लगभग चालीस साल पहले वर्ष 1985 में देश में दल-बदल विरोधी कानून भी बना था। पर तू डाल-डाल मैं पात-पात वाली स्थिति बनती रही। दलबदलुओं को हेय दृष्टि से भी देखे जाने की बात कही जाती है, पर व्यवहार में जो कुछ दिख रहा है वह 'शर्म इनको मगर नहीं आती' का उदाहरण ही प्रस्तुत करने वाला है। दल-बदल करने वाले किसी नेता को कभी शर्मिंदा होते नहीं देखा गया। उल्टे विचारों और सिद्धांतों की राजनीति को ही एक शर्मनाक स्थिति में पहुंचा दिया गया है। मर जाऊंगा, पर अब फलां दल के साथ नहीं जाऊंगा कहने वाला, और ईमानदार राजनीति का दावा करने वाला बिना किसी हिचक के दल-विशेष की शरण में चला जाता है और घोषणा करने लगता है कि 'अब इधर-उधर नहीं जाना है।'

ऐसे दल-बदलुओं के नाम गिनाने की आवश्यकता नहीं है। हर दल में ऐसे लोग मिल जाएंगे। मज़े की बात यह है कि ऐसा दल-बदल हमेशा समाज और देश की सेवा के नाम पर होता है! हर दल बदलू यह दावा करता है कि वह ईमानदार राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है- दल बदलने में उसका कोई निजी स्वार्थ नहीं है!

जैसा कि स्वाभाविक है, दल-बदलू अक्सर सत्तारूढ़ दल की ओर ही आकर्षित होते हैं। ताज़ा उदाहरण हाल के सालों का है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सन्? 2014 और 2021 के बीच 7 सालों में 426 दलबदलू अपने दल छोड़कर केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा में शामिल हुए थे। इनमें 253 विधायक हैं और 173 सांसद। इसकी तुलना में कांग्रेस पार्टी में कुल 176 दल-बदलू शामिल हुए थे। यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि दलबदलुओं को सत्तारूढ़ दल ही ज़्यादा आकर्षित क्यों करता है? पूछा तो यह भी जाना चाहिए कि संसद में भारी-भरकम बहुमत वाले भाजपा जैसे दल को दलबदलुओं की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

इस संदर्भ में एक सवाल तो मतदाता से भी बनता हैद्द वह क्यों ऐसे राजनेताओं को समर्थन देता है जिनके दामन पर दल-बदलू होने का दाग हो? फिर, कोई व्यवस्था तो ऐसी भी होनी चाहिए जिसमें सिद्धांतहीन राजनीति पर कोई अंकुश लग सके। और कुछ नहीं तो सत्ता के लालच में दल बदलने वालों को शर्मिंदा करने की कोई कोशिश तो हो ही सकती है। आईपीएल में अपनी टीम बदलने वाले खिलाड़ी के खिलाफ स्टेडियम में नारेबाजी भले ही संगत न लगे, पर राजनीति के मैदान में तो ऐसा कुछ होना ही चाहिए कि मतदाता अपने निर्वाचित प्रतिनिधि से यह पूछ सके कि तुम्हें सिद्धांतहीन पाला-बदल करने में शर्म क्यों नहीं आती?

नेताओं के झूठ फरेब से परेशान माइकों की आपबीती

आलोक पुराणिक

एक बहुत बड़े टैंट हाउस के मालिक के गोदाम में कई माइक पड़े हुए थे, आपस में वार्ता कर रहे थे। कुछ यूं चल रही थी वार्ता:-

माइक एक : और क्या हाल भाई लोगों का चल रहा है। आज तो थक गया मैं, मेरे वाला नेता ढाई घंटे से उस नेता को गाली दे रहा था। गालियां सुन-सुनकर पक गये साहब, वो ही पुरानी गालियां, नेता कुछ नयी गालियां भी न सोच सकते क्या।

माइक नंबर दो : अबे गालियां क्या ये तो नारे भी नये न सोच सकते। वही पुराने नारे चल रहे हैं, ये मुफ्त, वो मुफ्त।

माइक एक : क्या मतलब, वो ही पुराने नारे दे रहे हैं और पब्लिक सुन रही है।

माइक नंबर दो : पब्लिक का क्या है, कुछ न कुछ सुनती रहती है। कहां तक याद रखे कि कौन क्या कह गया था। नेता वो ही बात बार-बार कह देता है, पब्लिक बार-बार वही बात सुन लेती है। नेता का काम है कहना, पब्लिक का काम है सुनना। सब अपना-अपना काम किये जा रहे हैं। हम माइक भी पब्लिक ही हैं, बस सुन लेना चाहिए। हमारे बस में क्या है सुनने के सिवाय।

माइक नंबर एक : मेरा तो मन करता है कि मैं गर्दन पकड़ लूं नेता की और लिपट जाऊंगा उससे, और कहूं कि चुप, चुप, चुप पहले पुराने वाले वादे तो पूरे कर।

माइक नंबर दो : न-न ऐसा मत करना। नेता बोलता है, तो ही हमारे मालिक का कारोबार चलता है। जितने चुनाव, जितने भाषण, जितने झूठ, उतना ही हमारा कारोबार चलेगा। एक बात समझ लेना कि काम की बातें ज्यादा न होतीं। हमारा धंधा काम की बातों से न चलता। हमारा तो धंधा ही फिजूल की बातों का है। चुप रहो माइक भाई, चुप रहो तो भी धंधा चलता है।

माइक नंबर एक : बात तो सही है, चुप रहो तो धंधा माइक का चलता है, पर नेताओं का धंधा तो बकवास का ही चलता है। मन तो वैसे मेरा भी कभी-कभी यही करता है कि जैसे ही नेता ए नेता बी को गालियां देता है, मैं गालीबाज नेता को बता दूं कि भाई एक हफ्ते पहले तो तुम उसे सगा भाई बता रहे थे।

माइक नंबर दो : वैसे हम पक गये हैं झूठ सुन-सुनकर। अगर सिर्फ झूठों से फसल पकनी होती, तो अकाल के बावजूद देश में कोई फसल कभी भी फ्लाप न होती।

माइक नंबर एक : एक बात मेरी समझ में नहीं आती कि पब्लिक सुन रही है, सुने ही जा रही है। पब्लिक पकती नहीं है क्या, नेताओं के झूठों से।

माइक नंबर दो : पब्लिक के पास च्वाइस है, दरअसल तरह-तरह के झूठ सुनने की। इधर के झूठ से बोर हो, तो दूसरी तरफ के झूठ सुनने चली जाती है। जैसे नेताओं के झूठ से परेशान हो पब्लिक, तो वह टीवी न्यूज सुनने चले जाती है कि आज रात पुतिन एटम बम चला देगा। हमारे नेता गरीबी हटा रहे हैं बहुत लंबे अरसे से, ऐसे ही पुतिन भी एटम बम चला रहे हैं, लंबे अरसे से। पब्लिक के पास च्वाइस है कि यह वाला झूठ सुने या वो वाला झूठ, दिक्कत हम माइकों की है, हमें आमतौर पर नेताओं के झूठ ही सुनने पड़ते हैं।

माइक नंबर एक : सही है काश! हम भी पब्लिक होते, हमारे पास च्वाइस होती झूठों की।

अंतरिक्ष मिशनों हेतु खतरा है उपग्रही कचरा

पृथ्वी के वायुमंडल और उसकी जलवायु का नये ढंग से अध्ययन करने वाला यूरोपीय स्पेस एजेंसी का निष्क्रिय और बेकाबू ईआरएस-2 उपग्रह पिछले बुधवार को पृथ्वी के वायुमंडल में लौट आया। लेकिन वैज्ञानिक इस बारे में निश्चित नहीं थे कि दशकों पुराने इस अंतरिक्ष यान के अवशेष वास्तव में कहां और कब गिरेंगे। उपग्रह के पृथ्वी पर गिरने की खबर पृथ्वीवासियों को झकझोर सकती है। लेकिन इस घटना से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। करीब ढाई टन वजनी ईआरएस-2 उपग्रह को वर्ष 1995 में अंतरिक्ष में लांच किया गया था और वर्ष 2011 में उसने अपना आखिरी मिशन पूरा किया था। तब से यह उपकरण पृथ्वी की कक्षा में अंतरिक्ष कबाड़ के रूप में बना हुआ था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि उसने उपग्रह को 15 वर्षों के भीतर किसी समय पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाने के लिए शुरू में कुछ अभ्यास किए थे। वह दिन आखिरकार बुधवार को आ ही गया जब उपग्रह ने अलास्का और हवाई के बीच प्रशांत महासागर के ऊपर पुनः प्रवेश किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईआरएस-2 जैसे अधिकांश उपग्रह वायुमंडल में प्रवेश करते ही टूट जाते हैं और पूरी तरह से विघटित हो जाते हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह अनुमान लगाना मुश्किल होता है कि उपग्रह पृथ्वी के वायुमंडल में कहां पुनः प्रवेश करेगा क्योंकि हवा के घनत्व का पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है, जहां से उपग्रह गुजरता है। वैसे ईआरएस-2 जैसी बड़ी वस्तुओं को ट्रैक किया जाता है, लेकिन वायुमंडलीय घनत्व में भिन्नता से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कोई वस्तु वास्तव में कहां दोबारा प्रवेश करेगी। ईआरएस-2 की पुनः प्रविष्टि अनियंत्रित थी। उसमें लंबे समय से ईंधन खत्म हो चुका था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार जो भी टुकड़े वायुमंडल में नहीं जले, वे सैकड़ों किलोमीटर की दूरी में बेतरतीब ढंग से फैल जाएंगे। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि जहां तक वह बता सकती है, ईआरएस-2 के पुनः प्रवेश के बाद संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी व्यक्ति का अंतरिक्ष कबाड़ के टुकड़े की चपेट में आना पूरी तरह से असंभावित नहीं है। पृथ्वी का अधिकांश भाग महासागरों से ढका हुआ है। ये वस्तुएं आमतौर पर महासागरों के ऊपर गिरती हैं, जिससे मनुष्यों को खतरा थोड़ा कम होता है। छोटे उपग्रह हर समय पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करते हैं और वे बहुत कम ही कोई समस्या पैदा करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, गिरने वाली वस्तु की घटनाएं और अधिक हो जाएंगी। ये वस्तुएं पुनः प्रवेश करने पर जल जाती हैं जिससे वायुमंडलीय प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ती है।

किसी व्यक्ति पर या किसी आबादी वाले क्षेत्र के पास अंतरिक्ष यान से छोटी वस्तुओं के गिरने की पिछली घटनाओं में से किसी ने भी किसी की जान नहीं ली है। आमतौर पर मामूली चोट से ज्यादा कुछ नहीं हुआ है। आबादी वाले क्षेत्रों के पास अंतरिक्ष मलबे के पाए जाने के कई मामले भी हैं जिनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल नासा का एक वैज्ञानिक उपग्रह 40 साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करने के बाद अलास्का के तट के पास गिर गया था। लेकिन इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल रूस का भी एक उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में विखंडित हो गया था। इससे मलबे का जो गुबार पैदा हुआ वह लंबे समय तक कक्षा में बना रहेगा। इस विखंडन से उत्पन्न कम से कम 85 टुकड़ों को ट्रैक किया जा सकता है। चीन के उपग्रहों और रॉकेटों के टूटने बिखरने और पृथ्वी पर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। हर साल 200-400 वस्तुएं पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती हैं। सौभाग्य से पृथ्वी की आबादी इन गिरने वाली वस्तुओं से प्रभावित नहीं होती। हर साल एक उपग्रह दूसरे उपग्रहों या अंतरिक्ष मलबे से टकरा कर नष्ट हो जाता है। आज अंतरिक्ष में जमा हो चुका कचरा विकराल समस्या बन चुका है। अंतरिक्ष का कचरा पृथ्वी पर रोजमर्रा के जीवन को ठप कर सकता है। आज हम उपग्रहों पर जितने निर्भर हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। चाहे टेलीविजन के सिग्नल हों या मौसम की रिपोर्ट, हमें उपग्रहों की ही मदद लेनी पड़ती है। हमारे जीपीएस सिस्टम उपग्रहों के बगैर काम नहीं कर सकते। अंतरिक्ष के कचरे में पुराने उपग्रहों के कलपुर्जों के अलावा ऐसे उपग्रह भी शामिल हैं जो पुराने पड़ चुके हैं और जिन्होंने अब काम करना बंद कर दिया है। कचरे के टुकड़ों में नट और बोल्ट भी शामिल हैं जो अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक के दौरान गुम हो गए थे।

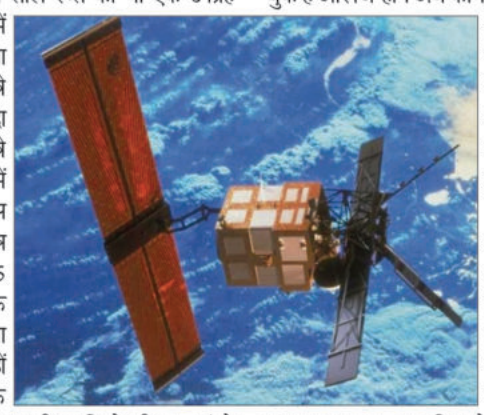

अंतरिक्ष में कचरे की बढ़ती हुई मात्रा से किसी न किसी बिंदु पर कोई बड़ी टक्कर हो सकती है। अंतरिक्ष में उपग्रहों के बीच टक्कर का एक नजारा दुनिया ने फरवरी, 2009 में देखा था,जब एक बेकार रूसी उपग्रह और एक अमेरिकी दूरसंचार उपग्रह आपस में टकरा गए थे। यदि कचरे के दो बड़े टुकड़े आपस में टकराते हैं तो वे अंतरिक्ष में हजारों छोटे-छोटे टुकड़े बिखेर देंगे। सैद्धांतिक तौर पर ये सारे टुकड़े 'सैटेलाइट किलर' हो सकते हैं। ये टुकड़े दूसरे ग्रहों अथवा उपग्रहों से टकरा कर नया मलबा उत्पन्न कर सकते हैं। यदि अंतरिक्ष में टुकड़ों के बीच टक्कर से कोई चेन रिएक्शन शुरू होता है तो इससे न सिर्फ पृथ्वी के दूरसंचार और जीपीएस सिस्टम ध्वस्त हो जाएंगे, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। अंतरिक्ष में कचरा जमा होने की वर्तमान दर जारी रही तो पृथ्वी से नए अंतरिक्षयान छोड़ना भी मुश्किल हो जाएगा।

जलवायु परिवर्तन से आने वाले समय में पृथ्वी की कक्षा में तैनात उपग्रहों के लिए खतरा बढ़ जाएगा और अंतरिक्ष प्रदूषण की समस्या बढ़ेगी। ग्लोबल वार्मिंग के चलते पृथ्वी के वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ऊपरी वायुमंडल में इस गैस का बढ़ा हुआ स्तर वायु घनत्व में दीर्घकालिक गिरावट का कारण बनेगा। यह कम घनत्व ऊपरी वायुमंडल में 90 और 500 किलोमीटर की ऊंचाई पर परिक्रमा करने वाली वस्तुओं पर खिंचाव को कम करेगा। इससे अंतरिक्ष मलबे का जीवनकाल बढ़ेगा और उपग्रहों के साथ मलबे के टकराव की संभावना बढ़ जाएगी। इन टक्करों से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं क्योंकि समाज नौसंचालन प्रणालियों, मोबाइल संचार और पृथ्वी की निगरानी के लिए उपग्रहों पर अधिक से अधिक निर्भर होता जा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार मार्च, 2021 तक पृथ्वी की निचली कक्षा में 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक लगभग 5,000 सक्रिय और निष्क्रिय उपग्रह थे। कई कंपनियां अगले दशक में हजारों और उपग्रह जोड़ने की योजना बना रही हैं। सेवामुक्त कर दिए जाने के बाद भी उपग्रह परिक्रमा करना जारी रखते हैं, लेकिन वायुमंडलीय खिंचाव के कारण उनकी रफ्तार धीरे-धीरे धीमी हो जाती हैं। वे नीचे आने लगते हैं और अंततः निचले वायुमंडल में पहुंच कर जल जाते हैं।

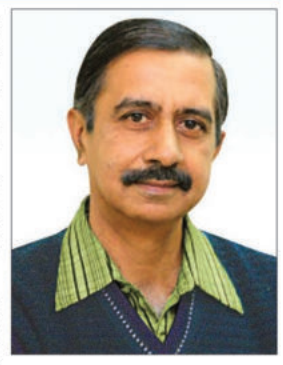

मुकुल व्यास

अंतरिक्ष मलबे से संबंधित समन्वय कमेटी द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशा-निर्देश सलाह देते हैं कि उपग्रह संचालक यह सुनिश्चित करें कि निष्क्रिय किए गए उपग्रह 25 वर्षों के भीतर कक्षा से हट जाएं। लेकिन कम वायुमंडलीय घनत्व से प्लानिंग और गणना में त्रुटियां उत्पन्न होती हैं। निचले वायुमंडल की तुलना में मध्य और ऊपरी वायुमंडल ठंडा हो रहा है। इससे घनत्व कम होगा। यूरोपियन स्पेस एजेंसी के अनुसार पृथ्वी की निचली कक्षा में 10 सेंटीमीटर से अधिक व्यास वाले 30 हजार से अधिक मलबे के टुकड़े और 1 सेंटीमीटर से बड़े दस लाख टुकड़े मौजूद हैं। टक्कर के जोखिम के कारण अंतरिक्ष मलबा उपग्रह ऑपरेटरों के लिए एक बड़ी समस्या बन रहा है। ऊपरी वायुमंडल के घनत्व में दीर्घकालिक गिरावट के कारण यह समस्या बदतर हो रही है।

शहर में उड़ती रही कई तरह की अफवाह

सोशल मीडिया पर 10 से 15 बच्चे लापता होने के भ्रामक संदेश से बना भय का माहौल

माही की गूंज, शुजालपुर।

शहर के कृष्णानगर कॉलोनी निवासी तीन नाबालिक एक साथ रविवार को घर से लापता हो गए, जिनको तलाशने के लिए परिजन सहित पुलिस परेशान होती रही। उधर सोशल मीडिया पर बच्चों के गुम होने की सूचना के अलावा शहर से 10-15 बच्चे लापता होने का संदेश भी वायरल हो गया, जिससे शहर में भय का माहौल बन गया। रविवार दोपहर बाद लापता हुए बच्चे उज्जैन में मिले, जो घर पर बिना बताए महाकाल दर्शन चले गए थे। बताया जाता है कि, उक्त बच्चों में से एक बच्चा दादा-दादी के साथ पूर्व में उज्जैन दर्शन के लिए जा चुका था, इसी के चलते वह दोस्तों को दर्शन के लिए साथ ले गया। पुलिस थाना मंडी में 31 मार्च को प्रकाश पिता रमेशचंद्र मेवाड़ा निवासी कृष्णानगर कालोनी शुजालपुर मंडी ने सूचना दी कि, प्रियांश पिता प्रकाश मेवाड़ा (14), आयुष पिता प्राकाश मेवाड़ा (11) व धीरज पिता राकेश राठौर (11) निवासीगण कृष्णानगर कालोनी शुजालपुर मंडी गुम हो गए है। पुलिस ने गुम इंसान एवं धारा 363 भादवि का प्रकरण दर्ज किया। बच्चों के अचानक गुम होने से प्रकरण गंभीर प्रवृत्ति का होने से एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी टीएस बघेल एवं एसडीओपी शुजालपुर पीएस बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी के नेतृत्व में तलाश के लिए तत्काल टीमें गठित की गई।

बच्चों की तलाश के लिए पुलिस कंट्रोल रूम शाजापुर के माध्यम से सूचना जिला पुलिस बल शाजापुर, जिला उज्जैन, जिला देवास, जिला सीहोर, जिला इंदौर व भोपाल दी गई। एसडीओपी ने बताया, बच्चे एक व्यक्ति को उज्जैन में मिले। ये उज्जैन में मेवाड़ा धर्मशाला का पता पूछ रहे थे। इन्होंने बताया, हम तीनों स्वेच्छा से उज्जैन महाकाल भगवान के दर्शन करने के लिये घर से बिना बताये चले गये थे। देर रात ट्रेन से शुजालपुर लाया गया और परिजनो को सौंपा। उधर सोशल मीडिया पर शहर से 10-15 बच्चे लापता होने का फर्जी संदेश भी जमकर वायरल हुआ, जिसे पढ़कर शहर में भय का माहौल बन गया।

एसडीओपी बघेल ने कहा कि, वर्तमान में धारा 144 लागू है और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना का प्रसारण करना गलत है। यदि किसी को कोई जानकारी इस तरह की मिलती है तो उन्हें पुलिस से पुष्टि करना चाहिए। एसडीओपी ने कहा कि, भ्रामक संदेश वायरल करने वाले लोगों को तलाशा जा रहा है जिन पर कार्रवाई होगी। बच्चों को 5 घंटे के अंदर ही दस्तयाब करने में एसडीओपी बघेल, निरीक्षक नर्मदाप्रसाद दायमा, उनि रामदयाल बैरागी, सउनि केशरसिंह नागर, प्रआर अनिल पैठारी, आर अभिषेक परमार, अर्जुन दांगी, महेश, बाबूलाल की भूमिका रही है।

58 किलो डोडाचूरा के साथ युवक और महिला गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर के रास्ते गुजरात जाने की फिराक में खड़े युवक और महिला को पुलिस ने मादक पदार्थ डोडाचूरा के साथ हिरासत में लिया है। उनके पास से चार बेग बरामद किए गए, जिनमें 58 किलो डोडाचूरा बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि, बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि देवासगेट बस स्टैंड पर चार बैग लेकर एक महिला और युवक खड़े हैं। बैग में मादक पदार्थ भरा हुआ है। पुलिस ने बस स्टैंड पर सर्चिंग कर संदिग्ध दिखाई देने वाले महिला और युवक को हिरासत में लिया। उनके पास से चार बैग भी बरामद किए गए और दोनों को थाने लाकर बेग खोले, जिसमें डोडाचूरा भरा हुआ था।

पूछताछ में महिला ने अपना नाम संगीता पति मुकेश (40) निवासी ग्राम माधोपुर जिला रतलाम होना बताया। युवक का नाम जसपाल पिता भगतराम (24) निवासी ग्राम कांचरिया सीतामऊ होना सामने आया। उनके पास से 58 किलो मादक पदार्थ बरामद किया गया, जिसकी कीमत 5 लाख रुपए से अधिक है। दोनों के खिलाफ तस्करी का केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

टीआई कुशलसिंह रावत ने बताया कि, मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार की गई महिला और युवक बस से गुजरात जाने की फिराक में थे। पूछताछ में उन्होंने डोडाचूरा मंदसौर के सुवासरा में रहने वाले मुकेश नामक व्यक्ति से लाना बताया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एक टीम रवाना की जाएगी। पकड़ी गई महिला संगीता के खिलाफ हरियाणा और सीतामऊ में तस्करी के केस दर्ज है। रिमांड अवधि में तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी सामने आ सकती है। मंदसौर से उज्जैन तक मादक पदार्थ से भरे बेग इंदौर-जोधपुर से लेकर आना बताया गया है।

ग्रामीण और समिति ने सहसचिव के खिलाफ धोखाधड़ी मामले में एसडीएम को सौंपा आवेदन

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

ग्राम पंचायत उगली के ग्रामीण और समिति ने सहसचिव (रोजगार सहायक) के खिलाफ धोखाधड़ी मामले में एसडीएम को आवेदन देते हुए बताया कि, श्री हनुमान गौशाला के संचालन के लिए प्रथम बैठक 7 फरवरी 2023 को रखी गई थी। जिसमें सरपंच गोविंद अहिरवार, उप सरपंच हंसराज पाटीदार एवं ग्रामीण जन ने सम्मिलित होकर श्री हनुमान गौशाला समिति का गठन किया। जिसमे सर्व सहमति से समिति के अध्यक्ष गोपाल शर्मा गुरुजी व सचिव हुकम सिंह पाटीदार को चुना गया। उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए मार्च अप्रैल 2023 के महीने में सदस्यों द्वारा गांव के जन सहयोग से 3 लाख के लगभग राशि एकत्रित की गई उस राशि से भूसा और गौशाला में आवश्यक सामग्री लाई गई और कर्मचारियों की मजदूरी भी दी गई। 17 सितंबर 2023 को गौशाला का शुभारंभ हनुमान गौशाला समिति द्वारा किया गया। जब से ही गौशाला की पूरी जिम्मेदारी भूसा, पानी, इलाज की देखभाल की जा रही हैं। गायों को टीकाकरण एवं कमजोर गायों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी निभाई गई सुचारू रूप से गौशाला का संचालन देखकर ग्राम पंचायत सचिव दिलीप जायसवाल द्वारा श्री हनुमान गौशाला समिति का नया समूह हनुमान आजीविका स्व सहायता समूह का खाता स्वयं ने साथ में रहकर समूह का खाता खुलवाया गया। परंतु जब 5 महीने बाद शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए पशु चिकित्सा डॉक्टर प्रशांत मानिक द्वारा गायों की संख्या का प्रपत्र गौशाला समिति से मांगा गया तब गौशाला के समिति द्वारा प्रपत्र भर कर देना चाहा, तब उस प्रपत्र पर सरपंच और सचिव के हस्ताक्षर करवाने गए तब दोनों ने मना कर दिया कि, अभी हमने गौशाला किसी की जिम्मेदारी में नहीं सौंपी है। तब से लेकर गौशाला समिति ने देखभाल करना बंद कर दिया। परंतु जब गौशाला में भूसा समाप्त होने की जानकारी मिली तब जिम्मेदारी के बारे में सरपंच और उप सरपंच से पूछा गया तो बताया कि, रोजगार सहायक विष्णु प्रसाद अहिरवार ने गौशाला पंजीकृत क्रमांक 1875 की पूरी जानकारी थी। उसके द्वारा पंचायत और ग्रामीणों को बिना सूचना दिए पूर्व में ही विकास आजीविका स्व सहायता समूह को जोड़ा गया था। यह समूह गौशाला में निष्क्रिय है। इस समूह द्वारा अभी तक गौशाला में कार्य नहीं किया गया। परंतु रोजगार सहायक ने पंचायत और ग्रामीणों को धोखे में रखकर 1 वर्ष तक श्री हनुमान गौशाला समिति द्वारा कार्य करवाया गया।

इस मामले की शिकायत लेकर ग्रामीण रोजगार सहायक विष्णु प्रसाद अहिरवार पर धोखाधड़ी के मामले में तुरंत कार्रवाई की जाए और गौशाला को सुचारू रूप से संचालन के लिए श्री हनुमान गौशाला समिति के समूह को हनुमान आजीविका स्व सहायता समूह को जिम्मेदारी दी जाए, जिससे की गौशाला में भूख से तड़पती गायों की देखभाल हो सके।

आवेदन देते समय सुरेश पाटीदार, सिद्धनाथ लेवे, महेश पाटीदार, अरविंद प्रजापति, महेश मालवीय, पुरुषोत्तम पाटीदार, सीताराम पाटीदार, अनिल पाटीदार, मुकेश सैनी, राधेश्याम पाटीदार, विनोद पाटीदार, कमल पाटीदार, नरेंद्र पाटीदार आदि ग्रामीण जन सम्मिलित हुए।

कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने पीजी कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदसौर एसडीएम, तहसीलदार को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।कलेक्टर ने कहा कि, स्ट्रांग रूम के अंदर चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं एवं सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रहें इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें। स्ट्रांग रूम में पावर सप्लाई के लिए एमपीईबी विभाग को निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि स्ट्रांग रूम के चारों तरफ बैरिकेडिंग के कार्य को अच्छे से करें। स्ट्रांग रूम के काम के दौरान अगर कार्य में किसी को संशय हो तो तुरंत बताएं, ताकि कार्य को और बेहतर तरीके से किया जा सके।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग से की कलेक्टर की शिकायत

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा सोमवार को जिले के ग्राम पारली में ग्राम चौपाल लगाकर मतदान करने के लिए आमजनों को प्रेरित किया गया। लेकिन इस सभा को लेकर कांग्रेस के नेता ने आपत्ति ली है और मंगलवार को ई-मेल के माध्यम से कलेक्टर की शिकायत भारत निर्वाचन आयोग से की है।

जिला प्रशासन द्वारा विधानसभा वाईज कम मतदान वाले बूथों पर स्वीप की गतिविधियों के अंतर्गत मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत सोमवार को कलेक्टर ग्राम पारली में आमजनों को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे थे। तभी कुछ ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर के सामने रखीं। इस पर कलेक्टर ने उन्हें आदर्श आचार संहिता हटने के बाद उक्त समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

कलेक्टर के इस आश्वासन पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने आपत्ति लेते हुए बताया कि, ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण का आश्वासन देना तथा उन्हें नवीन पट्टे दिलाने का आश्वासन देना आदर्श आचार संहिता के उलंघन में आता है। इस मामले की शिकायत डॉ. तोमर ने भारत निर्वाचन आयोग के शिकायत निवारण विभाग को मेल करके की है।

पत्र में मांग की गई है कि, इन कलेक्टर के रहते जिले में निष्पक्ष चुनाव नहीं कराए जा सकते क्योंकि यह एक पार्टी विशेष के हित में कार्य करते हुए चुनाव के ठीक पहले मतदाताओं को प्रलोभन दे रहे है। यह सब आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। तोमर ने शिकायत की एक प्रति भारत निर्वाचन मध्यप्रदेश एवं मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन को भी मेल।के माध्यम से भेज कर कार्यवाही का अनुरोध किया है।

जब इस मामले में कलेक्टर दिलीपकुमार यादव से चर्चा कि, गई तो उनका कहना था कि ग्राम में चौपाल किसी सरकारी योजना के लिए नहीं बल्कि ग्रामीणों को स्वीप की गतिविधियों के अंतर्गत मतदान करने के लिए प्रेरित करने हेतु आयोजित की गई थी। इस दौरान कुछ ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर आये। अब कोई कुछ कह रहा है तो उसे रोका तो नहीं जा सकता। मैंने उनकी समस्याएं सुनी और आचार संहिता के बाद उचित निराकरण का आश्वासन दिया। इसमें कहीं कोई आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है।

हाइवे के किनारे खेत मे मिला अर्धनग्न अवस्था मे युवती का शव

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के रिंगनोद थाना क्षेत्र में फोरलेन से लगे एक खेत में एक युवती का शव अर्धनग्न अवस्था में मिलने से सनसनी फेल गई। सूचना पर रिंगनोद थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और मौका मुआयना कर सबूत जुटाए। वहीं, घटना की गंभीरता को देखते हुए रतलाम पुलिस अधिक्षक राहुल कुमार लोढ़ा भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

रतलाम जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर जावरा-मंदसौर फोरलेन मार्ग पर ढोढर के ग्राम ढोढर क्षेत्र स्थित होटल भरत पैलेस और मंगल आश्रम के बीच सड़क किनारे खेत में एक युवती का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पर रिंगनोद थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया।

रिंगनोद थाना प्रभारी पीआर डावरे ने बताया कि, युवती का गला रेतकर हत्या की गई है। साथ ही उसके मुंह को दबाने के निशान भी उसके चेहरे पर मिले हैं। युवती के शरीर पर सिर्फ अंडर गारमेंट्स थे। उसके ऊपर से एक कुर्ती डाल रखी थी। युवती के गले में सोने की चेन, हाथ की उंगली में सोने की अंगूठी व कान के सोने के टॉप्स यथावत है। यानी की लूट की नियत से हत्या नहीं की गई है। युवती की उम्र करीब 25 वर्ष है। शव लगभग 12 घंटे पुराना है।

मामले में पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए रतलाम जिला पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए तथा आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक करने के भी निर्देश एसपी लोढ़ा ने पुलिस टीम को दिए।

बड़े तौल कांटे पर हुई तुलाई स्थानीय श्रमिको ने की नारेबाजी

माही की गूंज, शुजालपुर।

शहर में स्थित अनाज मंडी एक माह से बंद थी जो मंगलवार से शुरू हुई। पहले दिन 150 ट्रॉलियों का अनाज विक्रय हुआ और किसानों की सहमति से अनाज का तौल कार्य बड़े तौल कांटे पर किया गया। मंडी में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो इसके लिए पुलिस तैनात रही। इस व्यवस्था से किसान भी प्रसन्न नजर आए क्योंकि जिस कार्य में काफी समय लगता था वह कार्य कुछ समय में ही निपट गया। मंडी में तौल एवं व्यापारी संबंधी कार्य के लिए अनुबंध तहत बिहार से श्रमिक बुलाए गए। मंगलवार को जब मंडी में कामकाज शुरू हुआ तो स्थानीय श्रमिकों ने नारेबाजी करते हुए व्यवस्था से स्वयं को बेरोजगार होना बताया। मंडी में घोष विक्रय प्रारंभ होने पर एसडीएम शुजालपुर अर्चना कुमारी सहित अन्य अधिकारी भी पहुंचे। एसडीएम ने विरोध कर रहे श्रमिकों से विरोध न करते हुए व्यापारियों के यहां हम्माली करने की बात कही।

बता दें, तौल कार्य को लेकर उपजे विवाद के बाद 4 मार्च को बिना पूर्व सूचना के मंडी में तौल कार्य नहीं करने की जानकारी के बाद से मंडी बंद थी। मंडी में अनाज के तौल की भर्ती 50 किलो वजन के साथ करने की मांग करते हुए श्रमिकों ने 90 किलो भर्ती के साथ तौल कार्य करने से इंकार कर दिया था। इसके बाद से ही मंडी बंद थी। व्यापारियों ने अपने स्तर पर बाहर से श्रमिकों की व्यवस्था कर मंडी को प्रारंभ किया। मंडी प्रारंभ होने से नगर के बाजारों में लंबे समय बाद रौनक नजर आई। शुरुआती दौर में श्रमिकों की कमी के चलते मंडी प्रशासन ने किसानों के पंजीयन की व्यवस्था शुरू की है। किसान उपज विक्रय के लिए अवकाश दिवस को छोडक़र प्रातः 9 से शाम 5 बजे तक दीपक चौधरी दल प्रभारी सुनील धाकड़ एवं नितेश श्रीवास्तव पर अपना पंजीयन कर सकेंगे। मंगलवार के

लिए 100 किसानों का पंजीयन हुआ था, लेकिन 150 किसान अपनी उपज लेकर पहुंचे, व्यापारियों ने सभी किसानों की उपज को खरीदा और तौल कार्य करवाया। सभी का सहयोग रहा तो आदर्श मंडी बनेगी-लंबे समय से कुछ श्रमिकों ने मंडी पर कब्जा जमा रखा था।

कुछ श्रमिक मंडी में व्यवस्था उत्पन्न करते थे। जिस पर उप संचालक कृषि एवं एसडीएम ने कहा कि, जिसका व्यापार उसका हम्माल के तहत आदमी रख सकते हो, इसी व्यवस्था के साथ मंडी शुरू की है। यह बात अनाज व्यापारी संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने कही। उन्होंने बताया कार्य के लिए बिहार के श्रमिक बुलाए है। स्थानीय श्रमिक जो कार्य करना चाहते हैं उनका भी स्वागत है। हमारी मंशा है कि किसान का अनाज समय पर तुले और व्यापारी के माल का समय पर डिस्पेज हो, हमारी कोई शर्त नहीं है। मात्र समय पर कार्य होना चाहिए। 70 श्रमिक बाहर से आ चुके है। पंजीयन व्यवस्था श्रमिकों के बढ़ने के साथ ही समाप्त हो जाएगी। जैसी व्यवस्था प्रदेश में चल रही है वैसी लागू करेंगे।

महज़ 35 रुपए में हो गया काम

मंडी में जो व्यवस्था अब बड़े तौल कांटे की बनाई गई उससे किसान संतुष्ट नजर आए। मसूर लेकर आए अरविंद मेवाड़ा ढाबलाघोसी की उपज आभास ट्रेडर्स पर बिकी। तौल सीधे तौर पर बड़े कांटे पर हो गया और किसान को महज 35 रुपए देना पड़ा। पूर्व में जो व्यवस्था थी उस अनुसार लगभग 185 रुपए देना होते। किसान अरविंद मेवाड़ा ने कहा कि, नई व्यवस्था से उन्हें आसानी हुई और शुल्क तो कम लगा साथ ही समय की भी बचत हुई। बांकाखेड़ी के अनूपसिंह मेवाड़ा ने कहा, बड़े कांटे की व्यवस्था बरकरार रहना चाहिए।

12 हथियार व 10 कारतूस के साथ तस्कर गिरफ्तार

माही की गूंज, बड़वानी।

चुनावी आचार संहिता के बीच जारी पुलिस की जांच के दौरान हथियार तस्कर गिरफ्तार हुआ है। पुलिस ने तस्कर को पकड़कर उसके कब्जे से 12 हथियार और 10 कारतूस जब्त किए।दरअसल, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता को दृष्टिगत रखते हुए मासिक समीक्षा मीटिंग में अवैध गतिविधियों अवैध शराब, जुआ, सट्टा, आर्म्स, मादक पदार्थ, गोवंश के विरुध्द प्रभावी कार्रवाई कर अपराधों की रोकथाम के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में वरला के तहत मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति सिल्वर रंग की कार एमएच 25 एल 0990 से ग्राम उमर्टी से बड़ी मात्रा में अवैध फायर आर्म्स खरीदकर वरला होकर महाराष्ट्र राज्य लेकर जाने वाले है।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल पाटीदार, एसडीओपी कमलसिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी वरला माधवसिंह ठाकुर द्वारा थाना वरला की टीम गठित कर सांगवी रोड़ वरला स्थित मध्यप्रदेश महाराष्ट्र अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर नाकाबंदी कर कार को पकड़ा।

कार के चालक लुकेश पुत्र वसंत जाधव निवासी लोहियानगर पुणे महाराष्ट्र, कार में बैठे व्यक्ति रमीज पुत्र नसीर सैय्यद निवासी घोरपड़ी पेठ पुणे महाराष्ट्र की तलाशी ली गई। आरोपितों व कार की तलाशी लेने पर उनके पास अवैध रुप से पांच नग देशी पिस्टल मय मैग्जीन के किमत एक लाख 25 रुपए की सात नग सिल्वर रंग के 12 बोर के कट्टे कीमत 35 हजार रुपए। 8 नग पिस्टल के जिंदा कारतूस कीमत 4 हजार रुपए के 2 नग 12 बोर कट्टे के जिंदा कारतूस कीमत 250 रुपए के दो नग मोबाइल फोन होना पाए गए। आरोपितों से देशी पिस्टल, कट्टे, कारतूस, मोबाइल फोन, कार जब्त कर आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया।

पुणे व महाराष्ट्र के थानों से लिया रिकार्ड, कई केस दर्ज

आरोपितों का पुणे महाराष्ट्र से आपराधिक रिकार्ड प्राप्त किया गया है। आरोपित रमीज पुत्र नसीर सैय्यद के विरुध्द बलवा, मारपीट, अवैध हथियार रखने संबंधी चार अपराध, आरोपित लुकेश पुत्र वसंत जाधव के विरुध्द एक अपराध महाराष्ट्र राज्य में पंजीबध्द होना पाया गया है। पुलिस द्वारा आरोपितों की पुलिस रिमांड ली जाकर पूछताछ कर हथियार की बिक्री करने वाले व्यक्ति, आदर्श आचार संहिता में बड़ी मात्रा में हथियार के तस्करी जैसे संगीन अपराध के कारणों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है।

मामला समलैंगिकता का: भाभी ने नाबालिग भतीजी का किया यौन शोषण

माही की गूंज, खरगोन। ब्रजभूषण दसौंदी

जिले में बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक भाभी खुद की ही नाबालिग भतीजी की समलैंगिक दूल्हा निकली। दरअसल, एक शादीशुदा भाभी ने अपनी ही नाबालिग भतीजी को बहला फुसलाकर घर से भगाया और फिर शादी रचाकर उसके साथ यौन शोषण किया। आरोपी भाभी के और भी 10 महिलाओं से अवैध संबंध थे। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर नाबालिग लड़की को भी बरामद कर लिया। फिलहाल आरोपी महिला जेल की हवा खा रही है।

नाबालिग भतीजी को बरगलाकर रचाई शादी

खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर टांडा बरुड़ थाना क्षेत्र से अजीब वाकया सामने आया। पुलिस ने एक लेस्बियन भाभी को नाबालिग भतीजी को बरगला कर उससे शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी महिला इससे पहले करीब 10 महिलाओं के साथ रिश्ते में रह चुकी है। 24 वर्षीय शादीशुदा महिला को उसकी भतीजी के साथ शादी और यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

एक वर्ष पहले ही हुई थी शादी

खंडवा जिले के ओंकारेश्वर क्षेत्र की महिला की शादी पिछले वर्ष ही क्षेत्र के उमरखली निवासी एक व्यक्ति से हुई थी। इसके बाद, उसने अपनी 16 वर्षीय भतीजी पर डोरे डाले और उसे अपना शिकार बनाया। इसके बाद वो एक महीने पहले उसे कपड़े दिलवाने के नाम पर गायब हो गई।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर किया गिरफ्तार

पुलिस ने 27 फरवरी को मामले में महिला की गुमशुदगी और नाबालिग के अपहरण का प्रकरण दर्ज किया था। महिला को धार जिले के पीथमपुर से गिरफ्तार किया गया। नाबालिग भी उसी के पास से बरामद हुई। पुलिस जांच में महिला की करतूत सामने आई तो सभी चौंक गए।

इस शक्तिपीठ के रहस्य आपको कर देंगे हैरान

माही की गूंज, खरगोन।

मां भगवती की 108 सिद्धपीठ में मध्यप्रदेश की विंध्यवासिनी स्वाहा महेश्वरी देवी का मंदिर भी शामिल है। क्षेत्र में भवानी माता के नाम से यह मंदिर प्रसिद्ध है। माता का यह मंदिर एमपी के खरगोन जिले की पवित्र एवं पर्यटन नगरी महेश्वर के भवानी चौक में मौजूद है। श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र इस मंदिर में शारदीय नवरात्रि में माता के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है।

पाषाण के पत्थर से निर्मित हुई मां की मूर्ति

मंदिर में विराजित लगभग तीन फिट ऊंची मां भवानी की प्रतिमा काले पाषाण के पत्थर से निर्मित होकर माता की सवारी शेर की प्रतिमा भी काले पत्थर से बनी हुई है। 16 हाथ यानी नौ मीटर की साड़ी माता को लगती है। मंदिर के पुजारी पंडित विलास झावरे एवं पंडित नरेंद्र काशीनाथ झावरे ने कहा कि, विंध्यवासिनी स्वाहा महेश्वरी देवी का यह मंदिर काफी प्राचीन है।

हैहय राजवंशमें भी मंदिर का जिक्र होता है। मत्स्य पुराण के 13वें अध्याय में वर्णित 108 सिद्धपीठ में यह मंदिर शामिल है। माता का स्वाह अंग यहां गिरने से यह स्वाहा शक्तिपीठ के रूप में स्थापित हुई है। देवीय पुराण में भी मंदिर का उल्लेख मिलता है। होलकर स्टेट में देवी अहिल्या बाई होलकर द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है, अब यह मंदिर खासगी ट्रस्ट के अधीन है।

दर्शन के लिए उमड़ा भक्तों का सैलाब

कलाकृतियों से तराशे गए स्तंभों और मेहराबो से सुसज्जित भव्य सभा मंडप तथा सुघड़ पत्थरों से मढ़ा माता का गर्भ गृह है। मान्यता है की विश्व की पंचपुरियो में यह मंदिर शामिल है। नवरात्रि में माता की भक्तों पर विशेष कृपा बरसती है। इसीलिए शारदीय नवरात्रि में हर दिन हजारों की तादात में भक्त माता के दर्शन के लिए आते है। किवदंती है की यहां दर्शन करने वालो भक्तों को तीन प्रहर में तीन अलग-अलग रूपो में दर्शन होते है। मान्यता यह भी है की यहां मांगी हुई कोई भी मुराद खाली नहीं जाती।

20 हजार रुपए की मदिरा जब्त, आदतन आरोपी जायसवाल मौके से फरार

माही की गूंज, खरगोन।

आगामी 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान मदिरा के अवैध रूप से विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण पर रोक लगाने के लिए जिले में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा निर्देशन में 3 अप्रैल का आबकारी विभाग की टीम द्वारा खमकी बारूल में छापामार कार्यवाही कर 20 हजार रुपए की अवैध मदिरा जब्त की गई है।

सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में सटीक सूचना के आधार पर आबकारी उड़न दस्ता प्रभारी सजेंद्र मोरी के नैतृत्व में गठित टीम ने यह कार्यवाही की है। मुखबीर की सूचना पर आबकारी टीम ने आदतन आरोपी बबलू पिता अमृतलाल जायसवाल (39) निवासी खमकी बारुल थाना बलवाड़ा के रिहायशी मकान से मदिरा जब्त की है। इस कार्यवाही में 4 पेटी लेमाउंट बियर 48 नग 31.2 बल्क लीटर, 18 कैन लेमाउंट बियर 9 बल्क लीटर, 50 पाव गोवा व्हिस्की 9 बल्क लीटर, 50 पाव प्लेन मदिरा 9 बल्क लीटर सहित कुल 58.2 बल्क ली. मदिरा बरामद की गई है। इस कार्यवाही में म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्यवाही के दौरान आरोपी बबलू जायसवाल मौके से फरार हो गया है। आरोपी आदतन है उसके खिलाफ पूर्व में भी प्रकरण दर्ज किए गए हैं। प्रकरण की विवेचना जारी है।

यह प्रकरण आबकारी उप निरीक्षक रविशंकर पुरोहित वृत बड़वाह द्वारा दर्ज किया गया। मदिरा के स्रोत के बारे में भी जानकारी ली जा रही। जब्त मदिरा की कीमत 20 हजार रुपये है। सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी ने बताया कि, जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस कार्यवाही में व्रत बड़वाह प्रजोत चौधरी, अन्य आरक्षक एवं होमगार्ड जवान शामिल रहे।

पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 को दिया जा रहा है तीन दिवसीय प्रशिक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

लोकसभा निर्वाचन में लगे पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 का प्रशिक्षण जिले की चारों विधानसभा मुख्यालय पर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियो को दी जाने वाली सामग्री जैसे इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट मशीन, निविदत्त मतपत्र, मतदाताओं का रजिस्टर, निर्वाचन नामावली की चिह्नित प्रतियॉ, पीठासीन अधिकारी की डायरी, मतपत्र लेखा प्रारूप, नामावली की अतिरिक्त प्रतियॉ, ग्रीन पेपर सील, स्ट्रीप सील, संविधिक प्रारूप, सिलिंग बैक्स, अमिट स्याई का मिलान करना, मतदान केन्द्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली व्यवस्था एवं मतदान केन्द्र के 100 मीटर की परिधि में जाने वाली व्यवस्थाऐं। पीठासीन अधिकारी एवं अन्य कर्मियो के कार्य व अधिकार, किस प्रकार मॉकपोल करके दिखाया जायेगा, मतदाता की पहचान किस प्रकार सुनिश्चित करते हुए उससे मतदान कराया जायेगा, घटना-दुर्घटना, मतदान का प्रतिशत किस प्रकार एसएमएस के माध्यम से भेजा जायेगा, निर्धारित समय पश्चात् भी मतदान केन्द्र पर लगी मतदाताओं की लाईन में पीछे से पर्ची वितरित की जायेगी। मतदान समाप्ति के पश्चात् किस प्रकार ईवीएम एवं वीवीपैट को मोहर बंद कर स्ट्रॉग रूम में जमा कराया जायेगा, मतदान के दिन मतदान केन्द्रो में मतदाता के अलावा कौन-कौन से लोग प्रवेश कर सकेंगे उनके पास कौन से दस्तावेज होना आवश्यक है, मतदाता की पहचान किस प्रकार की जायेगी, सूरदास एवं निःशक्त मतदाता किस प्रकार मतदान कर सकेंगे आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

ईवीएम पर कराया गया प्रेक्टिकल

प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियो को ईवीएम मशीन पर प्रेक्टिकल भी करवाया गया। जिसमें उन्हें नियंत्रण यूनिट को मतदान यूनिट एवं वीवीपैट से जोड़ना, दिखावटी मतपत्र करके दिखाना, पुनः मशीन को रिक्त करके सील करना, किस प्रकार मतदाता के मतदान करने के उपरान्त बीप की आवाज सुनाई देगी एवं लालबत्ती बंद हो जायेगी, मतदान समाप्ति के पश्चात् ईवीएम को सील किया जायेगा, इसके बारे में विस्तार से बताया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया जनपद शिक्षा केन्द्र गोगांवा का आकस्मिक निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन। जिला शिक्षा अधिकारी एसके कानुडे ने 3 अप्रैल को जनपद शिक्षा केंद्र गोगांवा का आकस्मिक किया। निरीक्षण के दौरान 4 कर्मचारी बिना किसी सूचना के कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए। जिस पर इन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी कानुडे 3 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जनपद शिक्षा केंद्र गोगांवा पहुंचे थे। कार्यालय के निरीक्षण के दौरान एमआरसी गोपाल राठौर, बीएसी प्रभु मोरे, लेखापन श्रीमती अंतिम कलमे एवं राजेश मैना बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। कार्यालय की उपस्थिति पंजी में उनके हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी कानुडे ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है और 3 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर इन चारों कर्मचारियों के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

छः वर्षीय बालक ने रखा अपना पहला रोजा

माही की गूंज, बरझर।

माहे रमजान का 23वां रोजे मुकम्मल हो चुके है। रमजान के इस पवित्र माह मे मुस्लिम समुदाय के हर बालिग पुरुष-महिला पर रोजा रखना फर्ज है मगर बच्चो को बालिग होने तक की छूट भी मिली है। फिर भी बच्चो मे इस्लाम और दिन के प्रति लगाव के साथ साथ हौसले भी बुलंद है। इसी कडी मे बरझर के बालक तेवीस वा रोजा रखकर 6 वर्ष के तैमूर डूगू ख़ान पिता ऐजाज़ ख़ान ने रमजान का पहला रोजा रखा। पहले रोज़ा रखने के चलते परिजनों ने मगरिब नमाज़ के समय तैमूर डूगू को प्यार दुलार दिया और करीब 7 बजे जैसे ही मगरीब की अजान हुई रोज़ा खोला। रोजा खोलने के पहले तैमूर डूगू का फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया। वही दादा शेहजाद ख़ान, दादी नजमा ख़ान, मम्मी, नाना-नानी सहित परिजनो ने पहला रोज़ा रखने पर मिठाई खिलाकर होंसला अफजाई की।

कांग्रेस का लोकसभा के चुनाव में सफाया होना निश्चित- उपमुख्यमंत्री

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा अपने एक दिवसीय दौरे पर बड़वानी पहुंचे थे। उपमुख्यमंत्री ने यहां पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान वे कांग्रेस पर जमकर बरसे। देवड़ा ने कहा कि कहा कि, कांग्रेस के राज में सिर्फ एक घंटा बिजली मिलती थी और अब 24 घंटे बिजली मिलती है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता ने स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस ने कोई विकास नहीं किया। कांग्रेस की स्थिति आप लोगों के सामने है। जनता ने उन्हें नकार दिया है।

उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने धारा 370 व राम मंदिर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि, एक तरफ वह पार्टी चुनाव लड़ रही है जिसने देश में आतंकवाद फैलाया, देश को गरीबी में धकेल दिया। दूसरी एक तरफ नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनके नेतृत्व में देश दिन-ब-दिन प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी के परिवार में आ रहे हैं। कांग्रेस की जमीन खिसक रही है, विचलित होकर कुछ भी बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस का लोकसभा के चुनाव में पूरी तरह से सफाया होना निश्चित है।

बिना ड्राइवर के ही फरटि भर रही ये गाड़ी

भोपाल।

क्या भारत में भी कभी ड्राइवरलेस कार कार दौड़ सकेगी...? यह सवाल तो आपके मन में भी कई बार आया होगा। लेकिन इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए हम आपको लेकर चलते हैं मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, जहां इन दिनों बिना ड्राइवर वाली कार का ट्रायल चल रहा है।

बेहद आम-सी और सड़क पर चलने वाली दूसरी जीप की तरह ही दिखने वाली यह बोलेरो कुछ खास है। दरअसल, यह एक गाड़ी है जिसे चलाने के लिए ड्राइवर की ज़रूरत नहीं पड़ती। शुरुआत में ड्राइवर इसे बस चालू कर के छोड़ दे फिर तो सामने से गाड़ी आए या फिर इंसान, यह गाड़ी अपनी कैलकुलेशन लगाकर अपना रास्ता खुद ही बना लेती है।

दरअसल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कर चुके भोपाल के युवा इंजीनियर संजीव शर्मा ने करीब 8 वर्ष की मेहनत के बाद बिना ड्राइवर की कार बनाने में सफलता हासिल की है और करीब 50 हजार किमी तक बिना ड्राइवर के जीप चलाकर ट्रायल रन भी किया है। यह जीप रोबोटिक तकनीक से चलती है।

संजीव शर्मा ने आईआईटी रूड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद इज़रायल और कनाडा के कॉलेजों में भी पढ़ाई की। लेकिन संजीव की आंखों में अपने देश आकर यहां सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का सपना था और इसके लिए उन्होंने अपनी खुद की कंपनी शुरू की और एक सॉफ्टवेयर बनाया जो कार में लगे सेंसर और कैमरों के जरिए और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बगैर ड्राइवर वाली कार को कंट्रोल करता है।

इसके सेंसर इतने कारगर हैं कि, किसी भी गाड़ी या शख्स के सामने आने से गाड़ी खुद ही रास्ते का अनुमान लगाकर किनारे से निकल जाती है। स्वायत्त रोबोटिक कंपनी बनाकर संजीव शर्मा ने 2015-16 से इस जीप का ट्रायल शुरू किया, जिसमें 12 कैमरे और कई सेंसर हैं। जीप में लगे कैमरों, सेंसर और जीपीएस की मदद से जीप में लगे सॉफ्टवेयर को एक विज्युली इंवैल्यूएशन डाटा पहुंचाता है। जिससे जीप में लगा सॉफ्टवेयर गाड़ी के आसपास का 3डी मैप बना लेता है और गाड़ी सामने मौजूद दूसरी गाड़ियों या इंसानों का आंकलन कर खुद-ब-खुद आगे चलती रहती है।

संजीव के मुताबिक, 2015 में कंपनी स्टार्ट की और साल 2021 में उन्हें इस प्रोजेक्ट के ट्रायल के लिए 3 मिलियन डॉलर की ग्रांट मिली। अब तक वो करीब 50 हज़ार किलोमीटर तक गाड़ी चलाकर ट्रायल कर चुके हैं। इंजीनियर संजीव का मानना है कि इस साल के अंत तक वो पूरी तरह से इस ट्रायल को पूरा कर लेंगे।

मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का आदिवाासी मजदूरों को नहीं मिला रहा लाभ

उपयंत्री व ठेकेदार खुलेआम मशीनों से कर रहे निर्माण कार्य

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अलीराजपुर जिला आदिवासी बाहुल्य जिला होकर यहां पर शासन ने गरीब आदिवासी ग्रामीणो को रोजगार मुहैया कराने के लिए कई योजनाए लागु कर रखी है। जिसमे मनरेगा योजना सबसे महत्वपूर्ण योजना है, जिसमे अधिक से अधिक पंचायत क्षैत्र के गरीब आदिवासीयो को मजदुरी मिलने की उम्मीद रहती है।

इसी संदर्भ में विकासखण्ड सोण्डवा की ग्राम पंचायत मोराजी में हलखेत फलिया नाला ककडवाल पर वर्ष 2023-24 मे मनरेगा योजना अन्तर्गत एक निस्तार तालाब स्वीकृत किया गया था। ताकि मोराजी पंचायत व आसपास के अन्य ग्रामीण आदिवासी को भी मजदुरी का लाभ मीले। लेकिन सम्बंधित आरईएस विभाग का उपयंत्री जेपी जाटव किसी ठेकेदार के माध्यम से बिना किसी डर के खुलेआम ग्राम पंचायत मोराजी मे करोडो के निस्तार तालाब का घटिया निर्माण मशीनो से कर रहा है। जिसमे क्षैत्र का एक भी आदिवासी मजदुर कार्य करते दिखाई नही दे रहा है। जबकि निस्तार तालाब कार्य में जेशीबी, प्रोकलेन मशीन, डम्फर आदि कार्य करते दिखाई दे रहे है।

जिले का आदिवासी मजदुर वर्ग शासन की करोडो रुपए की योजना का कार्य चलते हुए भी समीप के अन्य राज्य गुजरात, महाराष्ट्र आदि मे मजदुरी करने के लिए मजबुर है। जबकि इस तालाब का निर्माण मशीन से किया गया है। जबकि शासन के नियम अनुसार मनरेगा योजना मे मशीनो से कार्य पर रोक है। उसके बाद भी इस जिले मे खुलेआम मशीनो का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही यह पता चला है कि, आदिवासी मजदुरो के नाम पर इस तालाब पर लगभग 14 लाख 88 हजार की राशि का भुगतान करना बताया जा रहा है। इस प्रकार इस जिले मे अधिकारियो की लाल फीताशाही के चलते उपयंत्री व ठेकेदार मौज मस्ती कर रहे है और अपनी जेब भरने मे लगे हुए है।

जिला कलेक्टर, क्या इस प्रकार जिले मे खुलेआम मनरेगा निमार्ण कार्य मे मशीनो से कार्य को रुकवाकर दोषियो पर कार्यवाही कर इस जिले के आदिवासीयो को उनकी मजदुरी का हक दिला पाएंगे। जबकि शासन उनको रोजगार व मजदुरी मुहैया कराने के नाम अरबों-करोड़ों की राशि प्रति वर्ष व्यय कर रहा है।

साथ ही आपको यह भी बताते चले कि, इस साईड पर संबधित विभाग द्वारा निमार्ण कार्य के पुर्व सुचना बोर्ड नही लगाया गया है। जिसमे कार्य की लागत व कार्य करने की अवधि, किस योजना के अन्तर्गत किस विभाग का कार्य है का विवरण मिल सके। साईड पर जानकारी उपलब्ध नही हो पाती है जबकि कार्य की समस्त जानकारी शासन के नियम अनुसार साईड पर होना अनिवार्य है।

ये ही नहीं उपयंत्री जाटव की देख-रेख मे उदयगढ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत टोकरिया झीरण के उजाड फलिया मे निर्मित निस्तार तालाब लागत 38 लाख 33 हजार रुपए तथा मयनि फलिया ग्राम काटकुआ मे निस्तार तालाब लागत 49 लाख 46 हजार रुपए से निर्मित बताया गया है। जबकि तालाब आज भी अधुरे होकर अपनी दुर्दशा पर आसु बहा रहे है। जिसकी भी जांच कर अधुरा कार्य तत्काल पुर्ण करायावा जाए एवं दोषियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग क्षैत्र की ग्रामीण जनता द्वारा की गई है।

लोकसभा प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

माही की गूंज, अलीराजपुर।

भाजपा के अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को पूर्ण करने और एक बार फिर मोदी सरकार के नारे को मूर्त रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती अनिता चौहान, क्षेत्रीय विधायक और मप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान के साथ अलीराजपुर नगर के पंचमुखी हनुमान मंदिर से मुख्य मार्ग एमजी रोड, नीम चौक, पोस्ट ऑफिस चौराहा, बाहरपुरा, झंडाचोक, रामदेव मंदिर, चर्च चौराहा, तुलसी माता मंदिर, दाहोद नाका से सहयोग कालोनी तक जनसंपर्क किया। इस दौरान नगरवासियों ने भारी वोटो से विजय होने का आशीर्वाद दिया।

जनसंपर्क में भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष परवाल, मंडल प्रभारी संतोष थेपडीया नगर अध्यक्ष रिंकेश तवर, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष दिव्या गुप्ता, शिखा गुप्ता, इंदर सिंह चौहान, मंडल महामंत्री गिरिराज मोदी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंतिक शाह, जिला उपाध्यक्ष गोविंदा गुप्ता, वरिष्ठ कांति राठौड़, पप्पू जैन, संजय माझी, शकील चंदेरी, इम्तिहान, गणपत गुप्ता, संजय गुप्ता, माधो कलेश, अभिषेक गेहलोद, अंकित परवाल, गौरव अगाल, अर्पित बेड़िया, गौरव परिहार, भुरू परिहार, सचिन चौहान, संदीप राही, मुकेश राठौड़, नजर मर्चेंट सहित भाजपा और युवा मोर्चा के कई साथी उपस्थित थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

माही की गूंज, उज्जैन।
विजय सोलंकी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को सुबह जबलपुर से इंदौर और फिर उज्जैन पहुंचे। नड्डा उज्जैन के हेलीपेड पर आने के बाद यहाँ से सीधे महाकाल मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचे। जेपी नड्डा सहित सीएम यादव ने गर्भगृह में जाकर बाबा महाकाल का पूजन अभिषेक कर आशीर्वाद लिया। करीब आधा घंटे मंदिर में रहने के बाद नड्डा राजस्थान के झालावाड़ के लिए रवाना हो गए। भगवान महाकालेश्वर के दर्शन उपरांत नड्डा परिसर स्थित महानिर्वाणी अखाड़ा पहुंचे और महंत विनीत गिरी का आशीर्वाद लिया। नड्डा ने मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ भगवान महाकाल के दर्शन और पूजा की। इस दौरान उनकी पत?नी और बेटा भी मौजूद था। वे करीब 30 मिनट तक महाकाल मंदिर में रहे।नड्डा राजस्थान के झालावाड़ के लिए रवाना हो गए।

लोकसभा चुनाव हेतु पूर्व विधायक विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी मनोनीत

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने चुनाव की तैयारिया प्राम्भ कर दी है। इसी कड़ी मे प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्षा जीतू पटवारी के निर्देश पर उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने रतलाम संसदीय क्षेत्र लोकसभा चुनाव हेतु अलीराजपुर के पूर्व विधायक मुकेश पटेल को विधानसभा क्षेत्र अलीराजपुर का प्रभारी मनोनीत किया है। मुकेश पटेल की नियुक्त से विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी नेताओं ओर कार्यकर्ताओ मे हर्ष की लहर है ओर उन्होंने पटेल को बधाईयाँ दी है। विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी नियुक्त होने पर पूर्व विधायक पटेल ने कहा कि, संगठन ने मुझे जो जिम्मेदारी सोपी है, उसका मे कर्तव्य ओर पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर विधानसभा क्षेत्र मे पार्टी हित ओर मज़बूती के लिए कार्य करुंगा।

झुके बिलजी के पोल व तार दे रहे हादसे को न्यौता

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर मे कई जगह पर बिजली के खंम्बे झुके है तो कई जगह बिजली के तार निचे लटक रहे है। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगो द्वारा लिखित व मौखिक की गई, मगर आज तक कार्यवाई नही हुई स्थिती जेसी की तेसी ही है। इतना ही नही, नगर शांती समिती की बैठक मे भी इसको लेकर जामा मस्जिद निवासी सिराज तन्हा द्वारा जनहित मे मुद्दा उठाया गया था, मगर उस बात को भी एक माह होने को आया विभाग जिम्मेदार अधिकारियो के आदेश को भी अनदेखा कर रहे है। लगता है बीजली विभाग भी अलीराजपुर मे बाग जेसे किसी बडे हादसे का इंतजार कर रहा है। अभी दो दिन पहले धार जिले के बाग मे खंम्बा गिरने से दो लोगो की झुलस ने से दर्दनाक मौत हो गई थी। अलीराजपुर मे भी ऐसे ही बीजली के खंम्बे और तार लटके हुए है जो हादसे को न्यौता दे रहे है।

नगर शांती समिती के सदस्य सिराज खान का कहना है, जब शांती समिती के सदस्यो के द्वारा नगर हित मे उठाए गये मुद्दो को अमल मे लाना ही नही है तो फिर जिला प्रशासन को शांती समिती की बैठक बुलाने का मतलब ही नही। अभी भी वक्त है यदि समय रहते आने वाली घटनाओ से निपटने का प्रयास जिला प्रशासन को करना चाहिए। बडी बात यह है कि, उक्त खंम्बा पुराना मुर्गी बाजार कलेक्टर महोदय के बंगले के ठीक पिछे है जो पुरा झुका है तार भी झुलते हुए दिखाई दे रहे है आप फोटो मे देख सकते हो। सोरवा रोड चौराहे (बुनियादी स्कूल) से जामा मस्जिद मार्ग की और इब्राहिम ट्रेडर्स के सामने भी बिजली के तार बहुत नीचे की और है। इस मार्ग पर प्रतिदिन थोक व्यापारियो के गोदामो में माल खाली होने व भरने के लिए भारी वाहनों का आना जाना लगा रहता है। पूर्व में भी ईगल ओटो गेरेज के सामने नीम के पेड़ गिर जाने से करीब 3 खम्बे गिर गए थे। उसमे कोई जनहानी तो नही हुई थी पर कुछ लोगो को हल्की फुल्की चोट आई थी।

नगर में और भी बहुत से ऐसे छतिग्रस्त खम्बे व लटकते तार है जो हादसे को न्योता दे रहे है।

बाल शिव भक्त मंडल ने पंडित श्री प्रदीप मिश्रा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु की प्रार्थना

माही की गूंज, आम्बुआ।

सीहोर वाले परम पूज्य अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता तथा करोड़ो शिव भक्तों की आस्था के केंद्र सदुरु पंडित श्री प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले के अस्वस्थ होने के समाचार से उनके अनुयायी चिंतित नजर आए। आम्बुआ में बाल शिव भक्त मंडल के नन्हे मुन्नों बच्चो ने भगवान महाकाल भोलेनाथ से प्रार्थना की तथा गुरुदेव की शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करते हुए गुरुदेव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना की।

मिली जानकारी के अनुसार परम पूज्य गुरुदेव तथा कुबरेश्वर धाम के अधिष्ठाता महाकाल प्रभु के अनन्य भक्त शिव पुराण के प्रवक्ता पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जो कि विगत दिनों महादेव की होली कार्यक्रम में आष्ट शहर में रंग खेलने आए थे, इस बीच भीड़ में रंग तथा गुलाल एवं फूलों के बीच किसी ने नारियल फेंक दिया जो कि गुरु जी के सिर पर गिरा, जिससे उन्हें सिर में अंदरूनी चोट लगी। जिसका खुलासा गुरु जी ने मनासा की कथा में किया जो की 1 अप्रैल से 7 अप्रैल तक आयोजित हो रही थी। मंच से घटना का विवरण बताया तो गुरु भक्त चिंतित हो गए। आम्बुआ में गुरु प्रेणा से गठित बाल शिव भक्त मंडल प्रदोष काल संध्या आरती के पूर्व भूत भावन महाकाल प्रभु के सामने बैठकर महामृत्युंजय श्लोक का वाचन किया तथा भगवान से अपने प्रिय गुरु देव के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की। ताकि अति शीघ्र गुरुदेव व्यास पीठ से कथा वाचन कर सभी को अनुग्रहित कर सके।

कार्रवाई करने पहुंचा प्रशासन तो ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ भागे माफिया

माही की गूंज, धार।

जिले की मनावर तहसील के ग्राम बडदा में अवैध रेत माफियाओं द्वारा नर्मदा नदी से रेत का अवैध उत्खनन का सिलसिला कई समय से लगातार किया जा रहा है। जिसको लेकर नायब तहसीलदार सरिता गामड़ कार्रवाई के लिए पहुंची। जिन्हें देख रेत माफिया ट्रैक्टर ट्राली छोड़ भागते नजर आए।

नायब तहसीलदार सरिता गामड़ उच्च अधिकारियों के निर्देश पर पटवारी व पुलिस के जवानों के साथ नर्मदा नदी के किनारे चल रहे रेत खनन वाले स्थान पर पहुंची। जहां ट्रैक्टर-ट्राली वाले मौके से भागते नजर आए। तहसीलदार नर्मदा किनारे रेत के टीले के पास पत्थर करिब एक घंटे तक बैठे रही। जिसके बाद नर्मदा की दूसरी छोर से नाविक नाव में रेत भरकर आ रहे थे। लेकिन अधिकारियों को देख नाविकों ने रेत नदी में गिरा दी और दूसरी छोर की ओर भाग गए।

नायब तहसीलदार सरिता गामड़ ने बताया, जब हम नर्मदा किनारे कार्रवाई के लिए पहुंचे, तो रेत माफिया हमें देखकर भागने लगे एक घंटे तक मैंने, पटवारी व पुलिस जवानों ने नर्मदा किनारे ही पत्थर पर बैठ कर रेत माफियाओ का रास्ता देखा। कुछ देर बाद रेत माफिया नाव में रेत भर कर ला रहे थे, लेकिन उन्हें ने हमें दूर से ही देखकर नव पलट ली और दूसरी छोर की ओर भाग निकले। घटनास्थल से हमने तीन ट्रैक्टर ट्राली मिली है। जिन्हे जब?त किया गया और तीनों ट्रैक्टर ट्रालियों को बाकानेर पुलिस चैकी पर खड़ा किया गया है। रेत के स्टॉक को एनवीडीए पुनर्वास कार्यालय परिसर में रखवाया गया है। आगे भी में रेत माफिया के ऊपर कारवाई की जाएगी।

एक बार फिर बदला मौसम, बादल छाऐ, तेज हवा चली, मवाठे की आशंका में चिंतित दिखे कृषक

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों से देखा जा रहा है कि मौसम अपने विभिन्न रूप दिखा रहा है। कभी तेज गर्मी कभी ठंड तो कभी वर्षा के आसार नजर आने लगते हैं। जिस कारण क्षेत्र में कृषक चिंतित हो जाते हैं तथा बिगड़े मौसम के कारण बीमारों की संख्या भी बढ़ने लगती है।

अभी पिछले हफ्ते तेज गर्मी ने सबको हलाकान कर दिया। उसके पूर्व ठंड का सितम जारी था गर्मी के कारण घरों से निकलना मुश्किल हो रहा था। लू के थपेड़े भी महसूस किए जाने लगे थे कि अचानक मौसम फिर बिगड़ आसमान पर काले बादल तो छाए ही साथ में हवा भी चलने लगी। तेज हवा से आम की फसल को नुकसान होने की संभावना है। वही यदि मावठे की वर्षा होती है तो खेतों में गेहूं की फसल को नुकसान हो सकता है जिस कारण कृषक चिंतित हैं। गूंज संवाददाता को ग्राम भोरदू के कृषक कमलसिंह कनेश, ग्राम बड़ी के कृषक राजू पटेल, ग्राम चिचलाना के कृषक रूमसिंह भूरिया आदि ने बताया कि, गेहूं तथा मक्का की फसल पककर तैयार है यदि मावठा गिरता है तो कृषकों को भारी हानि उठाना पड़ सकती है।

रमजान विदाई की ओर 7 दिन बाद ईद का त्यौहार होगा

माही की गूंज, आम्बुआ।

बोहरा समाज ने 23वां रोज़ा रखा तो मुस्लिम समाज ने 21वां रोज़ा। पवित्र रमजान माह अब विदाई की ओर है। बीती लयलतुल-शबे कद्र की पूरी रात बोहरा समाजजनों ने जागरण कर इबादत में गुज़ारी। 52 वे वा 53 वे धर्मगुरु के कलाम और उपदेशों का वीडियो रिकार्डिंग का प्रसारण मस्जिदों में किया गया। आम्बुआ,

अलिराजपुर,आजाद नगर, जोबट, नानापुर, कुक्षी, झाबुआ, दाहोद, स्थित बोहरा मस्जिदें और सभी मरकज में 31 मार्च की शाम से शुरू हुआ इबादत का सिलसिला अलसुबह तक जारी रहा। सभी समाजजनों ने पूरी रात जागकर इबादत कर दुआएं की और अपने गुनाहों की माफ़ी मांगी। मस्जिदों में देश के लिए अमन, चैन, तरक्की और अच्छे स्वास्थ के लिए अल्लाहताला की बारगाह में सजदा कर दुआएं फ़रमाईं और मुरादे मांगीं। समाज के हुसैन भाई,मुर्तुजा भाई,हुजेफा भाई,हकीम भाई ने बताया कि लयलतुलत कद्र यानी सबसे पवित्र रात रमजान में 23वें रोज़े की पूर्व रात को इबादत के लिए सबसे ज्यादा अहमियत दी गई है।

बोहरा समाजजनों ने रिश्तेदारों, दोस्तो व पड़ोसियों को फोन व सोशल मीडिया के जरिए किसी से हुए किसी भी तरह के वाद विवाद के लिए एक दूसरे से माफी तलब की दुआओं में याद रखने के मैसेज व सैय्यदना साहब की मिलाद जन्मदिन की बधाई के संदेश प्रेषित किए। समाज के हुसैन भाई नजमी ने बताया मुरादे मांगी रहमतों, बरकतों, दुआओं और इबादतों से सुसज्जित महीना माहे रमजान अपने आखिरी दिनों की ओर अग्रसर है। आखिरी कुछ दिन, जो कि माहे रमजान के खास 10 दिन कहे जा सकते हैं, वह 30 मार्च तारीख से शुरू हो गए हैं। इन खास चंद दिनों में सबसे ज्यादा फजीलत शबे कद्र कल की रात मानी गई। कुरआन शरीफ़ में इस रात को हज़ार महीनों से ज्यादा अफजल कहा गया है। बोहरा समाजजनो को 30 दिनों के लिए पधारे जनाब हुसैन भाई सादड़ी वाला ने पूरी रात नमाज पढ़ाई व इबादत कराई बोहरा समाज 9 अप्रैल मंगलवार को ईद उल फितर मीठी ईद का त्योहार मनाएगा।

धर्मगुरु की सालगिरह मनाई

दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु 53वें दाई आली क़दर सैय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब की 81वीं सालगिराह मस्जिद में 30 दिनों के लिए पधारे जनाब हुसैन भाई साब के द्वारा समाजजनो के साथ केक काट कर मनाई। खास रात में समाजजनो ने उनकी सेहत और लंबी उम्र की दुआ भी की। सुबह सैयदना साहब के मिलाद के मौके पर समाजजनों ने आतिशबाजी की।

ये कैसा गांधीवादी व्यवहार विधायक का...!

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के गांधी सिद्धांत के अनुसार अगर कोई आपको एक गाल पर थप्पड़ मारता है तो आप उसके सामने दूसरा गाल आगे का दे। खेर वर्तमान दौर में तो यह संभव नहीं लगता है। लेकिन इसी सिद्धांत और अहिंसा के बल पर गांधीजी ने देश को आजादी दिलाई थी। वर्तमान राजनीतिक दौर में जहां एक दूसरे पर कीचड़ उछालना राजनीति कहलाता है। वही देश में अटल बिहारी वाजपेई जैसे नेता भी हुए हैं जिनका न केवल उनकी पार्टी के लोग बल्कि विरोधी भी उतना ही सम्मान करते थे।

पिछले दिनों थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उन्हे कुछ राजनीतिक रूप से अमर्यादित शब्द बोलते हुए दिखाया जा रहा है। राजनीतिक में वीरसिंह भूरिया को सहज, सरल, शांत और सौम्य व्यवहार के बलबूते जाना जाता है और इसलिए उन्हें क्षेत्र में गांधीवादी नेता कहा जाता है। वीरसिंह भूरिया की इसी गांधीवादी छवि के बलबूते उन्होंने तीसरी बार विधायक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। 2023 में भाजपा की प्रचंड लहर व सत्ता पक्ष के इतने वायदों के बावजूद विधायक की छवि इन सभी पर भारी पड़ी और उन्होंने अपनी विधायकी बरकरार रखी। निश्चित रूप में यह उनकी सरल छवि के बलबूते ही संभव हुआ। लेकिन पिछले दिनों ऐसा क्या हो गया कि, उन्होंने अपनी छवि के विपरीत ऐसी भाषा का प्रयोग कर दिया। हालांकि इस बयान के विरोध के बाद विधायक ने खेद अवश्य व्यक्त कर दिया लेकिन फिर भी क्षेत्र की जनता को विधायक का व्यवहार अजीबोगरीब लग रहा है। यही नहीं विधायक महोदय लाडली बहन योजना को लेकर भी खिन्न नजर आए और इस योजना के बारे में भी महिलाओं को भ्रमित न होने की सलाह देते नजर आ रहे हैं। जबकि एक जनप्रतिनिधि का दायित्व रहता है कि, सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ आम व्यक्ति तक पहुंचाए। लाडली बहन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं के खाते में हर माह 1250 रुपए सरकार द्वारा राशि अन्तरित की जाती है। ऐसे में विधायक महोदय को चाहिए वो इस योजना से वंचित महिलाओं के लिए सरकार से लड़ाई लड़े और वंचित महिलाओं को भी लाभ दिलाने का प्रयास करें। यही नहीं विपक्षी विधायक होने के नाते सरकार की कमियों को जनता के सामने रखें तथा जनहित के मुद्दे पर सरकार से लड़ाई लड़े।

राजनीति में मतभेद स्वाभाविक है लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। भारतीय संस्कृति वो संस्कृति है जिसमें महाभारत के युद्ध के समय दिन में योद्धा लड़ते थे और रात में एक दूसरे के शिविरों में जाकर उनके हाल-चाल पूछते थे, उन्हें चिकित्सा उपलब्ध करवाते थे। चुनाव में अपनी उपलब्धियां का बखान करना तो ठीक है, लेकिन विपक्षी का महिमामंडन करना उचित नहीं है। विधायक ने बयान पर खेद अवश्य जताया हैं लेकिन राजनीति में इस तरह के बयान एक जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का भी कहना था कि, चुनाव तो आते जाते रहते हैं, हार जीत चलती रहती है, लेकिन देश की एकता और अखंडता बरकरार रहना चाहिए। ठीक उसी प्रकार चुनाव में बयानों की बौछारों में व्यक्तिगत संबंध और आपसी प्रेम बना रहना चाहिए। क्योंकि चुनाव तो कुछ समय के लिए है और ये होते रहते हैं लेकिन व्यक्तिगत संबंधों में एक बार कड़वाहट आने पर उसे मिटाना मुश्किल होता है।

शुभंकर के विवादित पोस्टर हटाया : कलेक्टर को धन्यवाद ज्ञापित किया

माही की गूंज ,पेटलावद।

1 अप्रैल को आदिवासी सामाजिक संगठन भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा , भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा , आदिवासी एकता परिषद , जयस तथा भील सैना संगठन मध्यप्रदेश के पदाधिकारी जिला कलेक्टर झाबुआ के कार्यालय सामुहिक रूप से पहूंचे।

उक्त सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों से हुई चर्चा के माध्यम से ज्ञात हुआ कि, विगत दिनों जिला निर्वाचन पदाधिकारी झाबुआ द्वारा, लोकसभा निर्वाचन 13 मई 2024 के परिपेक्ष्य में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत शुभंकर के दो पोस्टर चित्र अधिकारिक रूप से जारी किए गऐ थे। जिसके सम्बंध में आदिवासी सामाजिक संगठन भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा ने 27मार्च 2024 को कलेक्टर महोदय के समक्ष, आदिवासी भीली संस्कृति के संरक्षण में आपत्ति दर्ज करवाई थी। इसके उपरांत जिला प्रशासन ने विवादित शुभंकर चित्र मामले पर विचार-विमर्श कर उन विवादित दोनों ही चित्रों को सहजता के साथ निरस्त कर दिया ओर मतदाता जागरूकता के लिऐ शुभंकरों के दो नवप्रसारित पोस्टर जारी किए। नवप्रसारित पोस्टर आदिवासी भीली लोक संस्कृति के अनुरूप होकर सम्पूर्ण भील सांस्कृतिक क्षेत्र (भीलप्रदेश) के मान सम्मान को गौर्वान्वित कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा विवादित शुभंकर चित्रों को हटाने ओर नवप्रसारित शुभंकर चित्र आदिवासी भीली संस्कृति के अनुरूप होने से जिला कलेक्टर व जिला प्रशासन झाबुआ , समस्त आदिवासी वर्ग कि ओर से धन्यवाद के पात्र है। आदिवासी सामाजिक संगठनों द्वारा धन्यवाद स्वरूप दिऐ गऐ ज्ञापन अनुसार बताया गया कि, रतलाम-झाबुआ लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 24 के अन्तर्गत रतलाम, झाबुआ ओर अलीराजपुर सहित तीन जिले सम्मिलित होकर यह सीट अनुसूचित जनजाति अर्थात आदिवासी आरक्षित सीट है। तथा तीनों ही जिलों से रतलाम शहर ओर रतलाम ग्रामीण क्षेत्र को छोड़कर , यह सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र संविधान की अनुसूची 5 के अन्तर्गत संवैधानिक विशेषाधिकार प्राप्त अधिसूचित क्षेत्र है। इस क्षेत्र का मूल मानव वंश भील समुदाय आदिकाल से ही अपने सामाजिक उपसमूहों भिलाला, पटेलिया,बारेला,मानकर,राठवा आदि के साथ निवासरत है। इस क्षेत्र में मुगल काल के समय राजपुत राजवाड़ों कि स्थापना के साथ ही ब्रिटिश काल तक अर्थात देश की आजादी के समय तक विभिन्न समाज ओर संस्कृतियों का आगमन हुआ है। लेकिन फिर भी यहाँ के मूल मानव वंश भील समुदाय ने , इस क्षेत्र में आकर समय-समय पर बसने वाले सभी मानव जाति समाजों के साथ, वर्तमान समयकाल तक अपनी मानवता वादी मूल्यों से परिपूर्ण मातृपितृ भीली लोक सामाजिक ,सांस्कृतिक मानव सभ्यता के कारण पारम्परिक रूप से, सामाजिक सौहार्द के साथ, सामाजिक समरसतापूर्ण भाईचारे को ही बढ़ावा दिया है। आदिवासी वर्ग के प्रत्येक समुदाय के ,प्रत्येक समुह का टोटम एक जानवर, एक पक्षी, एक पेड़ होता हैं।जो कि हमारे लिऐ देवतुल्य-पवित्र होते है ,जिनकी हम पूजा आराधना करते है। आदिवासी वर्ग के समुदायों में, जानवर को जानवर के रूप में ही स्वीकार किया जाता है। जानवर को मानव के रूप में स्वीकार नही किया जाता है। शुभंकर के रूप में चुनावी काका ओर चुनावी काकी के नाम से पूर्व में जारी किये वे विवादित चित्र भीली संस्कृति ओर भील समुदाय की लोकभावना के अनुरूप नही थे। इसी कारण सामाजिक संगठन कि आपत्ति के उपरांत प्रशासन द्वारा उन्हें निरस्त किया है।

क्रमांक – 01/MP/BPVM/24

प्रति,

श्रीमान कलेक्टर महोदय एवं
जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला झाबुआ म.प्र.

विषय :- जिला निर्वाचन पदाधिकारी, जिला झाबुआ द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु बनाऐ गऐ पोस्टर सामग्री के संबंध मे भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पत्र के परिपेक्ष्य मे शुभंकर पोस्टर में किए गऐ बदलाव के संबंध मे धन्यवाद ज्ञापित करने बाबद्।

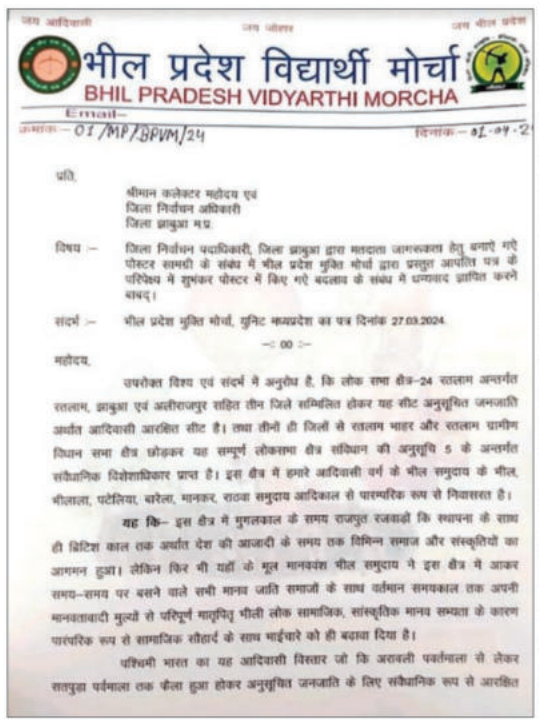

संदर्भ :- भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा, युनिट मध्यप्रदेश का पत्र दिनांक 27.03.2024

-: 00 :-

महोदय,

उपरोक्त विषय एवं संदर्भ मे अनुरोध है, कि लोक सभा क्षेत्र-24 रतलाम अन्तर्गत रतलाम, झाबुआ एवं अलीराजपुर सहित तीन जिले सम्मिलित होकर यह सीट अनुसूचित जनजाति अर्थात आदिवासी आरक्षित सीट है। तथा तीनों ही जिलों से रतलाम शहर और रतलाम ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र छोड़कर यह सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र संविधान की अनुसूचि 5 के अन्तर्गत संवैधानिक विशेषाधिकार प्राप्त है। इस क्षेत्र मे हमारे आदिवासी वर्ग के भील समुदाय के भील, भीलाला, पटेलिया, बारेला, मानकर, राठवा समुदाय आदिकाल से पारम्परिक रूप से निवासरत है।

यह कि– इस क्षेत्र मे मुगलकाल के समय राजपुत रजवाड़ों कि स्थापना के साथ ही ब्रिटिश काल तक अर्थात देश की आजादी के समय तक विभिन्न समाज और संस्कृतियों का आगमन हुआ। लेकिन फिर भी यहाँ के मूल मानववंश भील समुदाय ने इस क्षेत्र मे आकर समय-समय पर बसने वाले सभी मानव जाति समाजों के साथ वर्तमान समयकाल तक अपनी मानवतावादी मुल्यों से परिपूर्ण मातृपितृ भीली लोक सामाजिक, सांस्कृतिक मानव सभ्यता के कारण पारंपरिक रूप से सामाजिक सौहार्द के साथ भाईचारे को ही बढावा दिया है।

पश्चिमी भारत का यह आदिवासी विस्तार जो कि अरावली पर्वतमाला से लेकर सतपुड़ा पर्वमाला तक फैला हुआ होकर अनुसूचित जनजाति के लिए संवैधानिक रूप से आरक्षित

कलेक्टर द्वारा विवादित शुभंकर को बदले जाने के बाद धन्यवाद स्वरूप ज्ञापन दिए गए। जिंसमे सामाजिक संगठन आदिवासी एकता परिषद मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉक्टर कमलसिंह डामोर, भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश संयोजक धर्मेन्द्र डामोर, भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के अध्यक्ष पवन मैड़ा , भीलप्रदेश युवा मोर्चा के थावरसिंह सोलंकी , जयस जिलाध्यक्ष रमेशभाई कटारा तथा भीलसेना संगठन मध्यप्रदेश के संजू डामोर उपस्थित रहे।

चुनावी कार्यवाही: 44 किलो चांदी के साथ 13 लाख रुपये नगदी जब्त

माही की गूंज, झाबुआ।

लोकसभा चुनाव के चलते जिले की सिमावर्ती क्षेत्र से आने-जानें वाले वाहनो की सघन चेकिंग की जा रही है। जिसमे गुजरात से आने वाले और संधिग्ध वाहन, जाने वाले ट्रक, बस, कार एवं छोटे वाहनों को चेक किया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार की रात में वाहन चेकिंग के दौरान गुजरात से मध्यप्रदेश की ओर आ रही एक कार क्रमांक आरजे 05 सीसी 5226 में सीट के बीच में 13 लाख 39 हजार 115 हजार नगदी एवं 44 किलो चांदी का परिवहन करते हुए पकड़ी गई। एफएसटी टीम, एफएसटी टीम के साथ पिटोल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह चांदी एवं नगदी पकड़ी गई। इस कार्यवाही में मौके पर परिवहन कर्ता राकेश पिता महिपाल सोनी उम्र 45 वर्ष निवासी बांसवाड़ा से यह नगदी एवं चांदी जप्त की गई। मुखबिर की सूचना पर झाबुआ जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं उनके समक्ष पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी द्वारा चांदी के परिवहन करता राकेश सोनी से चांदी और नगदी के बारे में पूछताछ करने पर सही जवाब नही दे पाया। टीम ने कार्यवाही करते हुए जप्त चांदी एवं नगदी को जिला ट्रेजरी में अधिकारियों की सुरक्षा के साथ जमा कर दिया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में एफएसटी टीम से एएस वसुनिया, प्रधानारक्षक राजेंद्र गणावा, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी रूपरेखा यादव, सूबेदार कोमल मीणा, जिला अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, एसडीएम एचएस विश्वकर्मा के साथ एएसआई अजीत सिंह खेरा, प्रधानारक्षक संजय सिंगाड़, चौकी प्रभारी पल्लवी भावर प्रधान आरक्षक दिलीप डावर, आरक्षक गोपाल की भूमिका सराहनीय रही।

मोरो की गणना करना संभव नही - वनमंत्री नागरसिंह चौहान

राष्ट्रीय पक्षी मोर की गणना को लेकर प्रदेश वनमंत्री का गैर जिम्मेदाराना बयान

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी

यह इस देश और प्रदेश की विडंबना ही कही जाएगी कि यहां चुनाव जीतने के बाद मंत्रियों को विभागों का आवंटन हलवे की तरह कर दिया जाता है। ऐसे विभाग जिनके बारे में खुद मंत्रियों को किसी तरह का कोई अनुभव नहीं है उन्हे सौंप दिए जाते है और मंत्री बनने के बाद नेताजी फूले नहीं समाते है। अपने ओहदे, पावर की अकड़ तो ऐसी कि बड़े-बड़े ओहदेदार शर्मा जाए, लेकिन अपने ही विभाग की जानकारी के बारे में यह मंत्री शुन्य या अंगूठा टेक ही होते है। नतीजा यह होता कि अनुभवहीन मंत्री सरकार की महती योजनाओं को जनता के बीच धरातल पर लाने में विफल ही साबित होते है या फिर प्रशासनिक अफसर शाही नेताजी को अपने हिसाब से मक्खन लगाती रहती और नेताजी फूलकर गुब्बारा हुए हवा मे तैरते रहते। ऐसे कई उदाहरण है जब मंत्रियों ने स्वयं अपने अनुभवहीन होने का प्रमाण दिया है।

कुछ माह पहले ही विधानसभा चुनाव संपन्न हुए है और प्रदेश में बहुमत वाली भाजपा सरकार काबिज हुई है। प्रदेश की गद्दी पर काबिज हुई मोहन यादव सरकार ने भी अपने मंत्री मंडल को वजूद देते हुए मंत्रियों की घोषणा की। मगर प्रदेश सरकार के इन मंत्रियों में दिए गए विभाग के प्रति कितनी गंभीरता और अनुभव है इस पर अब तक प्रश्नचिन्ह ही लगा हुआ है। सरकार ने कई मंत्रियों को ऐसे विभाग सौंपे है जिनका उन्हे खुद कोई अनुभव या ज्ञान नहीं है। अब ऐसी स्थिति को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि, प्रदेश सरकार के यह मंत्री कितने बेलगाम हो सकते है या फिर प्रशासनिक अफसरशाही के कितने गुलाम हो सकते है। प्रदेश सरकार ने पश्चिमी मध्यप्रदेश के इस आदिवासी बाहुल क्षेत्र को भी तीन मंत्री दिए। हालांकि यह तीन मंत्री पूरी एक लोकसभा सीट को कवर करते है इसलिए लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए रतलाम-झाबुआ संसदीय सीट के तीनों ही जिलों में सरकार द्वारा मंत्री बनाए गए है। आलीराजपुर से विधायक नागरसिंह चौहान को केबीनेट में जगह देते हुए प्रदेश सरकार ने वनमंत्री बनाया है। मगर पद और पावर की खुमारी इतनी की कब, कहां और क्या बयान देना है इसकी कोई गंभीरता नहीं।

वैसे तो वे प्रदेश सरकार में वन मंत्री है लेकिन फिलहाल वे अपनी पत्नी के भाजपा से लोकसभा उम्मीद्वार घोषित होने के चलते लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए पूरे संसदीय क्षेत्र में जहां-तहां देखे जा रहे है। वैसे यह भी इतिहास ही रहा है कि, नेता चुनाव जीतने और मंत्री बनने के बाद गधे के सिर सिंग की तरह गायब हो जाते है। मगर नागरसिंह चौहान यहां डबल लॉट्री को देखते हुए मैदान में दिखाई पड़ रहे है। पत्नी के लोकसभा उम्मीद्वार बनने और चुनावों को लेकर उनके चेहरे पर जो तेज नजर आ रहा है शायद यह तेज और चमक क्षेत्र के विकास को लेकर रहेगी या नहीं यह समय के गर्त में है। मगर सत्ता का नशा अभी तो सर चढक़र बोल रहा है। कहने को नागरसिंह चौहान वन मंत्री है, लेकिन मीडिया को दिए उनके एक बयान ने उनकी अपनी पोल खोलकर रख दी है। चौहान वन मंत्री तो बन गए लेकिन उनके बयान बिल्कुल अनुभवहीन व अज्ञानी जैसे दिखाई पड़ रहे है।

पिछले दिनों वन मंत्री नागरसिंह चौहान पेटलावद दौरे पर आए थे और यहां अपने एक इंटरव्यूह में उन्होने कांग्रेस के राहुल गांधी की हंसी उड़ते हुए बयानबाजी की थी। इस पूरे इंटरव्यूह में नागरसिंह चौहान ने भाजपा सरकार की तारीफें की और लोकसभा चुनावों में 4 सौ से अधिक सीटों से भाजपा सरकार मोदी जी के नेतृत्व में बनाने की बात कही। इसी इंटरव्यूह के अंत में मीडिया द्वारा पूछे गए एक आखिरी सवाल ने नागरसिंह चौहान के वन मंत्री होने पर सवाल खड़े कर दिए। चूंकि वनमंत्री चौहान पेटलावद में थे और पेटलावद को राष्ट्रीय पक्षी मोर की नगरी कहा जाता है। इस पर एक पत्रकार ने सवाल किया कि, सरकार खरमोर के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है लेकिन राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण के लिए कोई पहल दिखाई नहीं दे रही है, इसके अलावा स्थानीय वन विभाग के पास क्षेत्र में मोरो की जनगणना को लेकर कोई आंकड़ा नहीं है इस पर आप क्या कहना चाहेंगे ?

इस पर प्रदेश के वन मंत्री ने मीडिया को अपना बचकाना जवाब देते हुए अपनी अनुभवहीनता जाहिर कर दी। प्रदेश के वन मंत्री का कहना था कि, ''पेटलावद ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश में मोरों की संख्या काफी बढ़ गई है और यह एक उडने वाला पक्षी है जिसके कारण इसकी जनगणना नही की जा सकती...!'' फिर भी मैं अधिकारियों की बैठक लेकर बात करूंगा, क्योंकि आखिर मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है और इसके संरक्षण को लेकर जो हो सकता है किया जाएगा।

वनमंत्री का यह जवाब कि मोरो की गणना नहीं की जा सकती...! बहुत ही बचकाना लगता है। क्योंकि पिछले दिनों हाल ही में उनके अपने विभाग ने पूरे प्रदेश में वन्य प्राणियों की जनगणना की थी। इस वन्य प्राणियों की जनगणना के कई जिलों और संभागों के आंकड़े मीडिया में सार्वजनिक भी प्रकाशित हुए है। यह अगल बात है कि जिले के वन विभाग ने मोरो की जनगणना के आंकड़े अब तक सार्वजनिक नही किए। होना तो यह चाहिए था कि प्रदेश वनमंत्री मीडिया के इस सवाल पर अपने विभाग की खबर लेते और कोशिश करते की मोरो की जनगणना का आंकड़ा सार्वजनिक हो सके। मगर मंत्री जी ने इसके उलट सवाल का यह जवाब दिया कि मोरों की जनगणना संभव ही नहीं है...! उनके अपने ज्ञान और अनुभव पर प्रश्न खड़े कर रहा है।

जिले के पेटलावद क्षेत्र में मोरों की संख्या अधिक है, लेकिन इनके संरक्षण और संवरधन को लेकर वन विभाग हमेशा से ही सुस्ती बरतता आया है। वन विभाग की इस सुस्ती पर कई बार प्रकृति प्रेमियों ने आपत्ती भी जताई है। कई बार प्रशासन से आम लोगों ने मोरों के संरक्षण को लेकर गुहार भी लगाई है। मोरों के दाने-पानी के इंतेजाम को लेकर भी कई बार प्रशासन से अपील की गई है। प्रशासन ने भी इसको लेकर योजनाएं तो बनाई लेकिन इन योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने में प्रशासन और वन विभाग निठल्ला ही साबित हुआ है। और उस पर अब सितम यह कि वनमंत्री के इस तरह के जवाब जीव प्रेमियों की मोरों के संरक्षण को लेकर चलाई जा रही मुहिम की उम्मीदों पर पानी फैरता नजर आ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422